शिव आमंत्रण

RNI: RJHIN/ 2013/ 53539

वर्ष: 5, अंक:03 | RNI: RJHIN/ 2013/ 53539 | सशक्तिकरण एंव सामाजिक सेवाओं का दर्पण | हिन्दी (मासिक), - 2017, मार्च सिरोही, पृष्ठ: 6, मूल्य : 7.50 रुपए

अमृतसर में आयोजित समारोह का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते मंत्री अनिल जोशी, बीके शिवानी, राज बहन तथा अन्य अतिथि।

नेपाल में भारत के राजदूत रणजीत रे को भैरहवां में आयोजित समारोह में ब्राह्माकुमारीज की बीके शांति ईश्वरीय सौगात देते हुए। साथ में हैं बीके भूपेन्द्र।

बेटी सशक्त बनाओ कार्यक्रम में आशा सेविकाओं को मार्गदर्शन ...पेज - 2

परमात्मा मेरे दिल का सबसे करीब मित्र ...पेज - 3

सर्व समस्याओं का एक समाधान, ईश्वर पर अमिट विश्वास ...पेज - 4

जीवन की हर परिस्थिति में बनाए रखें समभाव : दादी जानकी ...पेज - 5

'सखी मिनिथॉन' में 3000 महिलाओं ने दिखाया उत्साह ...पेज - 6

सड़क सुरक्षा जागृति के लिए बनाई 5 कि.मी. लम्बी मानव श्रृंखला ...पेज - 6

ब्रह्माकुमारीज संस्थान पटना की स्वर्ण जयंती : दूसरों के व्यवहार को स्वीकार करें तो नहीं होगा तनाव : बीके शिवानी

प्रेम और सद्भावना ही तरक्की का एकमात्र उपाय : नीतीश

नितिश ने ब्रह्माकुमारीज के नशामुक्ति अभियान को सराहा

पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित ब्रह्माकुमारीज संस्थान पटना के स्वर्ण जयंती समारोह का उद्घाटन करते बिहार के मुख्यमंत्री नितिश कुमार, पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, बीके शिवानी व अन्य तथा विशाल जनसमूह को संबोधित करते नितिश कुमार।

शिव आमंत्रण ■ पटना

आज सबसे बड़ी जरूरत है प्रेम और सदभाव की। यही तरक्की का उपाय है। आज दुनिया की हालत क्या हो गई है। चारों तरफ अशांति है। हर देश के लोग तनाव में हैं। कैसे-कैसे लोग प्रमुखता पा रहे हैं, देख लें। उक्त उद्गार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने व्यक्त किये। वे पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित ब्रह्माकुमारीज संस्थान पटना के स्वर्ण जयंति अवसर पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि आज पूजा-पाठ बढ़ गया है। वहीं दूसरी ओर समाज में असहिष्णुता भी बढ़ गयी है। बिहार में शराबबंदी लागू होने से समाज में बदलाव आया है। समाज में सुख-शांति है। लेकिन शराब बंद होने के बाद लोग कोई दूसरा नसा नहीं करने लगे, इसके लिए जरूरी है कि लोगों का मन बदले। हर किसी को अपने अंदर की शक्ति को पहचानना चाहिए, यह शाश्वत सत्य है। किसी चीज से परेशान नहीं होना चाहिए। अगर धैर्य हो तो कोई उल्टा काम नहीं हो सकता। लोकतंत्र बगैर डिबेट डॉयलाग के चल ही नहीं सकता। लेकिन डिबेट डॉयलाग का एक स्तर होना चाहिए। लोगों को सार्वजनिक जीवन में वाक युद्ध का स्तर इम्प्रूव करना चाहिए।

दूसरों के व्यवहार स्वीकार करना सीखें : शिवानी

ब्रह्माकुमारीज़ कि बहन शिवानी ने कहा कि दूसरों को बदलने में हमें अपनी ताकत खर्च नहीं करनी चाहिए। दूसरों को बदलने की अपेक्षा रखने से अच्छा है कि हम उनके व्यवहार को स्वीकार कर लें। इससे हमें बिल्कुल ही तनाव नहीं होगा। वे 'अंदर की शांति और अंदर की ताकत विषय पर बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि बदलाव हमेशा अपने अंदर लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज का दिन कैसा होगा, इसे जानने के लिए लोग अपनी राशि अखबार में देखते हैं। लोग इसकी चिंता अधिक करते हैं कि कौन उनके साथ कैसे व्यवहार करेगा। वे यह नहीं सोचते कि वह खुद आज लोगों के साथ कैसा व्यवहार करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शराबबंदी का एक निर्णय लेकर लाखों लोगों के परिवार में शांति ला दी। नशा लोगों को नुकसान पहुंचा रहा था। इसी प्रकार अहंकार और गुस्सा भी शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। इन्हें भी हम सभी को त्यागना चाहिए। मुख्यमंत्री नीतीश ने शिवानी बहन की बातों का समर्थन करते हुए ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा चलाये जा रहे नशामुक्ति अभियान का समर्थन किया और कहा-अच्छे उद्देश्य के लिए मार्ग भी उत्तम होना चाहिए। बिहार के लोगों ने इनकी बातों का कुछ भी अंश अपना लिया, तो वे समाज बदल सकते हैं। ब्रह्माकुमारीज संस्थान का कार्य सराहनीय है।

शराबबंदी का जबर्दस्त असर : लालू प्रसाद

कार्यक्रम में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद ने कहा कि दुनिया विनाश की ओर जा रही है। हथियार से लैस होने की तैयारी सभी देश कर रहे हैं। भगवान ने हम सभी को मनुष्य बना कर भेजा है ताकि हम श्रेष्ठ काम करें। पर, दुनिया में अशांति का माहौल बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि शराबबंदी से बिहार में खुशहाली आयी है। पहले एक जनवरी के दिन अस्पतालों को एलर्ट किया जाता था। खास कर युवक शराब पीकर गाड़ी चलाते और दुर्घटनाग्रस्त हो जाते थे। आज सड़कों पर झगड़ा, हो हल्ला बंद हो गया है। शराबबंदी से विशेष कर महिलाएं प्रसन्न हैं।

हॉस्पिटल को बनाइए एनर्जी का मंदिर

बीके शिवानी ने कहा कि जो बातें सुनकर अच्छा लगता है, उसे जीने पर कैसा लगेगा? इंटरनेशनल मोटिवेशनल स्पीकर शिवानी बहन ने राजधानी के डॉक्टरों से यह पूछा तो जवाब आया - जीवन संवर जाएगा। शिवानी बहन ने कहा- इसीलिए कहती हूं, सिर्फ सुनना नहीं है। खुद का दाग हटाने का संकल्प लें। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह के दूसरे दिन रविवार को शिवानी बहन ने राजधानीवासियों को जीवन मंत्र दिया। सुबह में रवींद्र भवन में डॉक्टरों को और शाम में श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आम जनों को सेवा, शांति अध्यात्म का मंत्र दिया। ब्रह्माकुमारी ने हास्पिटल को एनर्जी का मंदिर बताया। कहा- हॉस्पिटल में किसी को डांटना अलाउड ही नहीं होना चाहिए। डॉक्टरों से गुस्सा स्वाहा करने की अपील की।

बनारसी लाल भाई जी, मोहित गुप्ता, संगीता बहन, रुक्मिणी बहन ने भी संबोधित किया। मौके पर राजद के प्रदेश अध्यक्ष डॉ.रामचंद्र पूर्वे, पूर्व मंत्री शिवानंद तिवारी आदि मौजूद थे।

राजयोगी बीके रमेश शाह का देहावसान

हजारों लोगों ने दी श्रद्धांजलि

शिव आमंत्रण, आबू रोड। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के पूर्व अतिरिक्त महासचिव, वर्ल्ड रिन्यूवल स्प्रीचुअल ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी तथा गॉडलीवुड स्टूडियो के पूर्व चेयरमैन राजयोगी रमेश शाह काा शरीर पांच तत्वों में विलीन हो गया। ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, महासचिव बीके निर्वैर, अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन समेत उनके परिवार के लोगों ने मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार किया गया।

राजयोगी बीके रमेश शाह का शनिवार २९ जनवरी को प्रात: ७ बजकर २३ मिनट पर निधन हो गया था। उनके श्रद्धांजलि के लिए उनके पार्थिव शरीर को माउण्ट आबू के पांडव भवन, ज्ञान सरोवर समेत मुख्य स्थानों पर भी रखा गया था जहाँ बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद बैकुण्ठी यात्रा कराते हुए संस्था के शांतिवन के तपस्या धाम में रखा गया जहाँ हजारों की संख्या में आये लोगों ने पुष्प अर्पित कर अपने श्रद्धासुमन दिए। इस अवसर पर संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, महासचिव बीके राजयोगी निर्वैर, गॉडलीवुड स्टूडियो के कार्यकारी निदेशक बीके हरीलाल, ब्रह्माकुमारीज संस्था के सूचना निदेशक बीके करूणा, शांतिवन प्रबन्धक बीके मुन्नी, शांतिवन के मुख्य अभियन्ता बीके भरत, ओम शांति रिट्रीट सेन्टर की निदेशिका बीके आशा, उनके परिजन, महाराष्ट्र जोन की निदेशिका बीके संतोष, भारत सरकार के पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष जस्टिस वी ईश्वरैया, बीके ललित, बीके ईशू दादी समेत बड़ी संख्या में लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्टूडियो में भी हुआ श्रद्धासुमन अर्पित

बीके रमेश शाह गाडलीवुड स्टूडियो के चेयरमैन थे। इसलिए उनके पार्थिव शरीर को कुछ समय के लिए गॉडलीवुड स्टूडियो में भी रखा गया जहाँ स्टूडियो के सभी स्टाफ ने अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

राजयोग का बड़ा कार्यक्रम, वंडर बुक में

शिव आमंत्रण, अहमदनगर। महाराष्ट्र के नंबर 1 मराठी न्यूजपेपर ' सकाल' की ओर से अहमदनगर में आयोजित कार्यक्रम में एक लाख नौ हजार 800 लोगों ने एक ही जगह पर राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास किया, जो लंदन के वंडर बुक ऑफ रेकॉर्ड्स इंटरनेशनल में दर्ज किया गया।

भारत के कोआर्डिनेटर डॉ स्वर्णश्री गुर्रम ने बीके दीपक हरके को सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया। बीके दीपक हरके ने कहा कि हम सभी को राजयोग को दिनचर्या में शामिल कर औरों को भी प्रेरित करने का प्रयास करना चाहिए। पूर्व केंद्रीय मंत्री तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार को विश्व का सबसे छोटा हैंडमेड कैलेंडर भेंट किया। वंडर बुक ऑफ रेकॉर्ड्स इंटरनेशनल में नाम दर्ज कराया व राजयोग के साप्ताहिक कोर्स की जानकारी दी।

मूल्यपरक शिक्षा से ही होगा संस्कारों का बदलाव : महेन्द्र

दीक्षांत समारोह में जुटे देशभर के युवा

आबू रोड। आज के युवाओं को संस्कारित बनाने के लिए समाज में मूल्यों की अति आवश्यकता है। यह तभी सम्भव होगा जब शिक्षा में मूल्यों का पाठ्यक्रम अनिवार्य रूप से लागू कर दिया जाये। उक्त उदगार गणपत विश्वविद्यालय भोपाल के निदेशक डॉ. महेन्द्र शर्मा ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन में आयोजित अन्नामलाई, गणपत विश्वविद्यालय भोपाल तथा यशवन्तराव चौहान विश्वविद्यालय नासिक में दूरस्थ शिक्षा के उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए आयोजित दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्था के शिक्षा प्रभाग ने मूल्यों पर आधारित जो पाठ्यक्रम तैयार किया है। उससे निश्चित तौर पर युवाओं में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। यह पाठ्यक्रम देश के सभी विश्वविद्यालयों तथा कालेजों में लागू किया जाना चाहिए। देशभर से आये उत्तीर्ण युवाओं को डिप्लोमा तथा डिग्री प्रदान की गयी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोाग उपस्थित थे। इस अवसर पर शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष बीके निर्वैर ने कहा कि लगता था कि आज के समय में युवा मूल्य आधारित पाठ्यक्रम पर ध्यान देंगे या नहीं। परन्तु जिस तरह से युवाओं का रूझाान बढ़ रहा है उससे साबित हो गया है कि युवाओं से ही समाज का उत्थान सम्भव हो जायेगा। इसलिए हर एक माता पिता तथा अभिभावकों को अपने बच्चों को मूल्यों के प्रति प्रोत्साहित करना चाहिए। कार्यक्रम में यशवन्तराव चौहान खुला विश्वविद्यालय नासिक के रजिस्ट्रार डॉ. दिनेश भोण्डे ने कहा कि नासिक विश्वविद्यालय में युवाओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है जो मूल्यों को अपनाने के लिए प्रयासरत है। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं का बढ़ना इस बात का प्रतीक है अब लोग मूल्यों के प्रति जागरूक है। समारोह में अन्नामलाई विश्वविद्यालय के डीन डॉ. आर. बाबू ने सबसे पहले यह पाठ्यक्रम अन्नामलाई विश्वविद्यालय में प्रारम्भ हुआ जिसमें पिछले कई सालों में बड़ी संख्या में छात्रों का रूझान बढ़ रहा है। यह आने वाले समय के लिए युवाओं को अच्छा संकेत है। कार्यक्रम में प्रभाग के उपाध्यक्ष बीके मृत्युंजय, दूरस्थ शिक्षा के निदेशक पांडयामणि, आर पी गुप्ता, राष्ट्रीय संयोजक डॉ. हरीश शुक्ला समेत कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये।

तालकटोरा स्टेडियम में विश्व बंधुत्व दिवस पर भव्य समारोह

सर्व ज्ञानों में बढ़कर है आध्यात्मिक ज्ञान : आडवाणी

शिव आमंत्रण ■ नई दिल्ली

तालकटोरा स्टेडियम में विश्व बन्धुत्व दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह को संबोधित करते भाजपा नेता लालकृष्ण अडवाणी तथा उपस्थित जन समूह।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी ने तालकटोरा स्टेडियम में विश्व बन्धुत्व दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में सभी को संबोधित करते हुए कहा कि इस संस्थान के सदस्यों को जो संस्कार अध्यात्म के कारण प्राप्त हो रहे हैं, उससे ही यह संस्थान दिनों दिन उन्नति व विशालता को प्राप्त कर रहा है।

दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में विश्व बन्धुत्व दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए। प्रात:काल तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित भव्य समारोह, बीजेपी के वरिष्ठ नेता एलक्रे. आडवाणी, संस्था के ' 'अतिरिक्त' 'महासचिव ' 'बीके ' ' 'बीके' 'आशा,' 'सह 'निदेशिका' 'बीके ' ' 'संचालिका 'बीके' पुष्पा', 'अहमदाबाद' ' 'शारदा' समेत संस्था 'के' अनेक 'वरिष्ठ बृजमोहन, ओआरसी की निदेशिका शुक्ला, करोल बाग सेवाकेंद्र की के अंबावाड़ी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सदस्यों की मौजुदगी में संपन्न हुआ। लालकृष्ण अडवाणी ने कहा, ब्रह्माकुमारी ऐसा एक ही समाज है जिसमें इतने लोग इकट्ठे होते हैं। इनमें शामिल होने से संतोष होगा, पवित्रता होगी और उसके कारण संतुष्टि मिलेगी। ऐसी संस्था, ऐसा समागम प्रमुख रूप से अगर बहनों के द्वारा संचालित है तो मानना पड़ेगा कि यह संगठन अद्भुत है। मुझे जो भी मिलते है उनसे विनम्रता से कहता हूं कि इनसे सीखो। ऐसा बहनों द्वारा संचालित समागम दूसरा मैने नहीं देखा। लोगों का आदर करना, सम्मान करना, लोगों को शुद्ध दृष्टि से देखना यह सारी बाते विशेष रूप से मन में आ जाती है। तार्किक ज्ञान, बौद्धिक ज्ञान लौकिक दुनिया में महत्वपूर्ण माना जाता है। लेकिन इससे बढ़कर कोई ज्ञान है तो वह भावनात्मक ज्ञान है। और इन सबसे बढ़कर आध्यात्मिक ज्ञान है। आध्यात्मिक ज्ञान के कारण ही इस प्रकार का स्वभाव, आचरण देखने को मिलता है। ... शेष पृष्ठ 5 पर

यहां नहीं होता किसी भी मजहब का प्रचार

खुशी की बात यह है कि ब्रह्माकुमारी संस्था किसी भी मजहब का प्रचार नहीं करती। सिक्ख, बौद्ध, मुस्लिम, क्रिश्चन सब धर्म एक भगवान को मानते हैं। तो हमें एक दूसरे को प्यार करना चाहिए, एक दूसरे को सहयोग देकर आगे बढ़ाना चाहिए।

- डी. आर. कार्तिकेयन , पूर्व निदेशक, सीबीआई, दिल्ली

वैष्णव जन तो तेने कहिये...पीड़ पराई जाने रे..

सबसे बड़ा ऋण मानवता का है और वह सबसे महत्वपूर्ण है। इसलिए कहते हैं वैष्णव जन तो तेने कहिये, जो पीड़ा पराई जाने रे। जो दूसरे की पीड़ा जानते हैं और उनकी पीड़ा नष्ट करने के लिए कार्य करते हैं उनको ही वैष्णव कहते हैं। उसी में बंधुत्व है, उसी में मानवता है।

-इसाक मालेकर

हम सब एक ईश्वर की संतान, तो मिटना चाहिए भेदभाव

ब्रह्माकुमारीज का ज्ञान कहता है हम एक ईश्वर की संतान है तो सभी प्रकार की असमानता, भेदभाव हमें मिटाना चाहिए, सभी के साथ मिलकर चलना चाहिए। हम एक की संतान है तो हमारी जिम्मेवारी बनती है सिर्फ एक देश के लिए नहीं, सारी दुनिया का, ऐसा समाज बनाएं जिसमे किसी भी प्रकार की हिंसा न हो। रास्ते पर किसी को मारकाट ही सिर्फ हिंसा नहीं लेकिन छोटे-छोटे भेदभाव से भी हिंसा होती है। किसी को नीची जात का बताना यह भी तो हिंसा ही है।

-स्वामी अग्निवेश, अध्यक्ष, आर्य समाज, दिल्ली

ऊर्जा मंत्री पारस जैन का सत्संग मे उद्बोधन

तपोबल से ब्रह्माकुमार करते हैं विश्व कल्याण

शिव आमंत्रण ■ नीमच

मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री पारस चंद्र जैन ने ज्ञान मार्ग स्थित ब्रह्माकुमारी संस्थान के सद्भावना सभागार मे सत्संग कार्यक्रम मे अपने उद्बोधन मे कहा, पूरे दो दिन मुझे ब्रह्माकुमारी संस्थान के मुख्यालय माउण्ट आबू मे रहने का सौभाग्य मिला। ऐसी परम पवित्र भूमी पर मुझे स्वर्ग के समान सुख शांति की अनुभूति हुई। पिछले कई वर्षों से उज्जैन मे भी ब्रह्माकुमारी संस्थान के संपर्क मे रहा हूं और यहां के भाई बहनों की त्याग-तपस्या और पवित्रता के साथ सेवाभाव मुझे बहुत प्रभावीत करता है। आज मुझे ब्रह्माकुमारी का यह सुंदर और भव्य केंद्र देखने का सौभाग्य मिला, यहा का इतना सुंदर केन्द्र और व्यवस्थायें देखकर मै अभिभूत हू। यहा इतनी बडी संख्या मे भाई बहन सत्संग और तपस्या मे लीन है जबकि दुनिया मे अधिकांश लोग नींद मे होते है तो ब्रह्माकुमारी के भाई-बहन सभी के कल्याण के लिए राजयोग के आधार से तपस्या करते है।

उर्जा मंत्री पारस जैन का स्वागत ब्रह्माकुमारी संस्थान के सबझोन निदेशक बीके सुरेन्द्र ने किया, बीके सविता ने उनको आत्मस्मृति का तिलक लगाया। मंत्री श्री. पारस जैन ने व्यक्तिगत रूचि लेकर राजयोग ध्यानसाधना पिरामिड मे ध्यान का अभ्यास किया।

नीमच के कार्यक्रम में मौजूद लोग तथा कार्यक्रम को संबोधित करते मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री पारसचंद्र जैन।

बेटी सशक्त बनाओ कार्यक्रम में आशा सेविकाओं को मार्गदर्शन

आशा सेविकाओं से शपथ लेती डॉ. शुभदा नील।

शिव आमंत्रण, पनवेल। समाज में महिलाओं की घटती संख्या एक चिंताजनक बात है। बेटियों के जन्म का दर आश्चर्यकारक रीति से कम हो रहा है। लड़का ही चाहिए यह जिद्द, लड़कियों के साथ बर्ताव में अंतर, महिलाओं में बढ़ती आर्थिक, सामाजिक और शारीरिक असुरक्षितता, दहेज की कुरीति, गर्भलिंग की जानकारी मिलने की सहज और किफायती उपचार पद्धती के कारण स्त्री भ्रूण हत्या का प्रमाण बढ़ रहा है। उसके लिए जनजागृती हो और समाज में लड़कियों का सम्मान हो, स्त्री भ्रूण हत्या न हो इसके लिये स्त्री-रोग तज्ञ डॉ. शुभदा नील ने ब्रह्माकुमारीज व डिवाइन संस्कार रिसर्च फाउंडेशन की ओर से 'बेटी बचाओ, बेटी पढाओ, सशक्त बनाओ' विषय में आशा सेविकाओं का अनमोल मार्गदर्शन किया। यह कार्यक्रम ब्रह्माकुमारीज, डिवाइन म्युजियम, न्यू पनवेल में संपन्न हुआ। पनवेल तालुका आरोग्य अधिकारी डॉक्टर. राजेंद्र इटकरे तथा नेरे व अजिवली कार्यक्षेत्र में सेवाएं देने वाले 'आशा' सेविका संयोजक कार्यक्रम में उपस्थित थे। डॉ. शुभदा नील ने दिव्य माता बालक गर्भसंस्कार विषय में भी मार्गदर्शन किया। इस बारे में प्रो.इ.वी. गिरीश ने भी मार्गदर्शन किया।

सखी शक्ति मैराथन में दिखा अपार उत्साह

अपनी असीमित शक्तियां महिलाएं भूल चुकी हैं

सखी शक्ति मैरॉथन में व्यक्त विचार

शिव आमंत्रण ■ संबलपुर

आज महिलाएं यह भूल चुकी हैं कि उनके अंदर असीमित शक्तियां व अदम्य साहस छिपा हुआ है, महिलाओं के अंदर छिपी इन्हीं शक्तियों का आह्वान करने व जागरूकता फैलाने के लिए, ओड़िशा के संबलपुर में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा सखी शक्ति वूमेंस मिनी मैरॉथन 2017 का आयोजन किया गया।

इसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला कलेक्टर समर्थ वर्मा, महिला प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका डॉ. बीके सविता, संबलपुर सबजोन प्रभारी बीके पार्वती समेत अनेक बीके सदस्य उपस्थित थे।

इस अवसर पर कलेक्टर समर्थ वर्मा ने मिनी मैरॉथन के आयोजन के लिए संस्थान का धन्यवाद किया, वहीं बीके डॉ.सविता ने सभी बेटे व बेटी को समान हक देने की बात कही। इस मैरॉथन में भाग लेने वालों को 3 ग्रुप में डिवाइड किया गया जिसमें बच्चों से लेकर युवा व बुजुर्ग भी शामिल हुए और सभी ने बड़े उमंग-उत्साह से 4 किलोमीटर की मैरॉथन को पूरा किया। अंत में विजेताओं को पुरस्कृत करके उनका मनोबल बढ़ाया गया।

सखी शक्ति मैरॉथन में शामिल धाविकाएं।

राजयोग से व्यापारियों ने सीखे सफलता के मंत्र

शिव आमंत्रण ■ आबूरोड

व्यापार एवं उद्योग देश व समाज की तरक्की के लिए महत्वपूर्ण है। परन्तु धन सही तरीके से कमाया जाये तो इससे शांति और सुकून का भी विकास होता है। इसी के मद्देनजर ब्रह्माकुमारीज संस्था के व्यापार एवं उद्योग प्रभाग द्वारा राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

व्यापार में सफलता एवं समृद्धि के लिए आयोजित व्यवसायियों का सम्मेलन कई मायनों में अहम है। क्योंकि इसके जरिये ही समाज में विकास के साथ शांति और सुकून का विकास होता है। परन्तु धन कैसे कमाया जाये इसके लिए राजयोग व आध्यात्मिकता को जीवन में अपनाने के लिए विशेषज्ञों द्वारा प्रेरित किया गया। सम्मेलन के दौरान विशेष तौर पर ध्यान योग सत्रों का भी आयोजन किया गया। जिसमें लोगों ने ध्यान योग सीखकर व्यापार में सफलता के मंत्र सीखे।

यह सम्मेलन तब और खास हो गया जब कश्मीर के बारामूला में आंतकियों से लोहा लेते हुए शहीद हुए सेना के जवानों के परिजनों को प्रभाग के उद्योगपतियों की ओर से एक-एक लाख के चेक प्रदान किये गये। एक जवान राजस्थान के उदयपुर तथा दूसरा बांसवाड़ा के थे। संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, दिल्ली के व्यवसायी जगमोहन अग्रवाल तथा ग्लोबल हॉस्पिटल की मैनेजर पब्लिक रिलेशन डॉ. बिन्नी तथा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके योगिनी ने चेक प्रदान कर सम्मानित किया।

शहीद के परिजनों ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान का यह प्रयास निश्चित तौर पर लोगों को सेना में जाने के लिए प्रेरित करेगा तथा शहीदों के परिवारों को सम्बल प्रदान करेगा। सम्मेलन का उद्घाटन ब्रह्माकुमारीज संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके योगिनी, दिल्ली के सुप्रसिद्ध व्यवसायी जगमोहन अग्रवाल, ग्लोबल हॉस्पिटल की मैनेजर पब्लिक रिलेशन डॉ. बिन्नी तथा मन प्रबंधन विशेषज्ञ ई.वी.गिरिश समेत कई लोगों ने दीप जलाकर किया। कार्यक्रम में शहर के अनेक प्रतिष्ठित सदस्यों ने भाग लिया।

सम्बल शहीद जवानों के माताओं को लाख रु. के चेक प्रदान करती दादी रतनमोहिनी।

375 की नेत्र जांच 45 के मोतियाबिंद ऑपरेशन

शिव आमंत्रण ■ भीनमाल

स्थानीय प्रभु वरदान भवन में 103 वां विशाल नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर स्व. माता हंजाबाई एवं स्व. पिता गंगासिंह की पुण्य स्मृति में उनके पुत्र गुमानसिंह राव (पूर्व पार्षद व पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष) व उनके पौत्र भरतसिंह राव, इन्द्रसिंह राव, अशोकसिंह राव भीनमाल की ओर से ब्रह्माकुमारी राजयोग केन्द्र, भीनमाल तथा ग्लोबल नेत्र संस्थान, तलहटी आबूरोड एवं जिला अन्धता निवारण समिति, जालोर के संयुक्त तत्वाधान में संपन्न हुआ।

सर्वप्रथम उद्घाटन विधायक पूराराम चौधरी, उपखण्ड अधिकारी चैनाराम चौधरी, पालिकाध्यक्ष सांवलाराम एम देवासी, स्वामी तीर्थानंद खाण्डादेवल, भाजयुमो जिलाध्यक्ष हिंगलाजदान चरण, श्रवणसिंह राव, क्षेमकरी ट्रस्ट के अध्यक्ष सरदारसिंह ओपावत, पार्षद सरोज बाफना, बीके गीता, डॉ. अभिमन्यु नेत्र चिकित्सक आबूरोड के सानिध्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया। तत्पश्चात् राजयोग केन्द्र की संचालिका बीके गीता द्वारा भामाशाह का सम्मान करते हुए इस प्रभु वरदान भवन में आज 103 वां नि:शुल्क कैम्प आयोजित किया गया। इन कैम्पों में कई लोगों के नि:शुल्क ऑपरेशन किये जा चुके हैं। जिसमें लगभग सभी ऑपरेशन सफल हुए हैं।

जांच की दी दवाई

ग्लोबल सेवा संस्थान, तलहटी से पहुंचे डॉ.अभिमन्यु सहित उनकी टीम द्वारा लगभग 375 से उपर मरीजों की नेत्र जाँच कर उन्हें दवाई दी गई तथा नम्बर निकालकर चश्मे उपलब्ध करवाये गये। तथा मोतियाबिन्द के ऑपरेशन के लिए 45 मरीजों की पूर्ण जाँच कर उन्हें ऑपरेशन के लिए संस्थान की बस द्वारा ग्लोबल नेत्र संस्थान, तलहटी आबूरोड भेजकर उनका नि:शुल्क ऑपरेशन किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन भरतसिंह राव द्वारा किया गया। इस मौके पर लक्ष्मण भजवाड, बीके हरि, बीके दला, बीके गणेश, बस्तीमल सुथार, मनोहर सिंह राज पुरोहित, बीके किर्ती, बीके संध्या, बीके अंजु, बीके अंजली सहित कई लोगों ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

संबोधन भीनमाल नेत्र चिकित्सा शिविर में बोलती बीके गीता।

स्वर्णिम सिंगरौली बनाने की प्रतिज्ञा

शिव आमंत्रण, सिंगरौली । मध्यप्रदेश के सिंगरौली में ब्रह्माकुमारीज द्वारा 'स्वर्णिम सुखमय सिंगरौली' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सिंगरौली में नॉर्थर्न कोल फील्ड्स के महाप्रबंधक राजपाल यादव, अमलोरी में नॉर्थर्न कोल फील्ड्स के महाप्रबंधक अंजनी कुमार त्रिपाठी, सह-प्रबंधक अखिलेश कुमार, कृष्णशिला प्रोजेक्ट के डीज़ीएम ए. के. झा, पत्रकार समूह के उपाध्यक्ष प्रदीप तिवारी, रोडवेज के महाप्रबंधक केसरवानी, ब्रह्माकुमारीज में भोपाल जोन की निदेशिका बीके अवधेश, सीधी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रेखा, सिंगरौली सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शोभा समेत अनेक विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। ओल्ड मार्केट में आयोजित इस कार्यक्रम में बीके अवधेश ने सभी को राजयोग द्वारा अपने आपको मैनेज करने की सलाह दी साथ ही सभी को अपने घर, गांव और सिंगरौली को स्वच्छ एवं स्वर्णिम सिंगरौली बनाने की प्रतिज्ञा करायी।

नर्मदा सेवा यात्रा का आयोजन

शिव आमंत्रण, रिवा। म.प्र. के रिवा स्थित श्याम शाह मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में मध्यप्रदेश के जन अभियान परिषद् द्वारा नर्मदा सेवा यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें प्रदेश के वाणिज्य एवं खनिज मंत्री राजेंद्र शुक्ल से रिवा सेवाकेंद्र प्रभारी बीके निर्मला ने मुलाकात कर ईश्वरीय संदेश देते हुए संस्था के 80 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मुख्यालय माउंट आबू में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय उत्सव में उपस्थित होने के लिए आमंत्रित किया। कार्यक्रम में रिवा संभाग के समस्त संत, महात्माओं समेत ब्रह्माकुमारीज़ को आमंत्रित किया गया था। साथ ही अपर कलेक्टर नीलेश पारिक, मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ पीसी. द्विवेदी, मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के संभागीय संयोजक अमिताभ समेत रिवा संभाग के लगभग आठ सौ पदाधिकारी मौजूद थे।

विचार मंथन

स्वर्णयुग की पुनर्स्थापना विषय पर राजनीतिज्ञों के सेमिनार में व्यक्त विचार

'भ्रष्टाचार के खात्मे से आयेगा स्वर्णयुग'

शिव आमंत्रण ■ हैदराबाद

शांति सरोवर में राजनीतिक नेताओं के लिए स्वर्णयुग की पुनर्स्थापना विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें तेलंगाना विधान परिषद के अध्यक्ष स्वामी गौढ़, स्पीकर मधुसूदन चारी, सांसद के. कविता, विधायक ए. गांधी, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष न्यायधीश वी. ईश्वरैय्या, संस्थान में राजनैतिक प्रभाग के अध्यक्ष बीके बृजमोहन, राष्ट्रीय संयोजिका बीके लक्ष्मी, मुख्यालय संयोजिका बीके उषा, शांति सरोवर की निदेशिका बीके कुलदीप, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका समेत राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लगभग 150 से अधिक लोग उपस्थित थे।

सेमिनार में सांसद के. कविता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के सदस्यों से कहा कि आजकल समाज के हर लेयर पर भ्रष्टाचार आ चुका है, इसको हम कैसे हैंडल कर सकते हैं, अगर आप इस विषय पर हमें कुछ टिप्स दे सकते हैं तो उसे हम जरूर ग्रहण करेंगे।

संस्थान के राजनैतिक प्रभाग के अध्यक्ष बीके बृजमोहन ने राजनीति में फैले भ्रष्टाचार को हैंडल करने के टिप्स बताए। उन्होंने कहा, भ्रष्टाचारमुक्त गोल्डन एज बनाने के लिए गोल्डन को आयरन बनाने वाली जो पांच बातें हैं उनको छोड़ना पड़ेगा। वह बातें हैं मोह, लोभ, क्रोध,अभिमान, बुरी नजर आदि। ये पांच चीजे दिल में घुसने से दिल आयरन बना है। दूसरी बात शरीर समझने से हमारे अंदर वैल्यू सिस्टम डिस्टर्ब हो गया है। आत्मा समझने से वह पुन: प्राप्त हो जायेंगे। अंधेरे से रोशनी और असत्य से सत्य पॉवरफुल है यह ध्यान में रखेंगे तो पॉलिटिशियन्स के सामने कोई भी समस्या टिक नहीं सकती।

इसी दौरान स्वामी गौढ़ ने माउंट आबू आने पर हुए अनुभव को साझा करते हुए कहा कि वहां प्रत्येक ब्रह्माकुमार व ब्रह्माकुमारी सफेद पोशाक में एकदम फरिश्ते जैसे लगते हैं, वहीं बीके कुलदीप ने बताया कि अगर हॉल में बैठे लोगों का कल्याण हुआ तो पूरे तेलंगाना का कल्याण हो जायेगा।

सेमिनार के दौरान उपस्थित लोगों में कई लोगों ने अपने नजदीकी सेवाकेंद्र पर जाकर राजयोग मेडिटेशन सीखने की रूची जाहिर की। हैदराबाद निवासियों के लिए पीस एंड साइलेंस विषय पर पब्लिक प्रोग्राम का भी आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में बीके बृजमोहन, बीके उषा ने सभी को संबोधित किया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों से बीके उषा ने पूछा कि आपको क्या चाहिए, पीस चाहिए या साइलेंस चाहिए, साथ ही बताया कि साइलेंस अलग चीज है और पीस अलग चीज है।

साइलेंस है मन और शरीर की संतुलित स्थिति तो पीस है विचार और भावनाओं की संतुलित स्थिति। बीके बृजमोहन ने सभी को समय के महत्व से अवगत कराया। अंत में बीके उषा ने सभी को कॉमेंट्री द्वारा राजयोग का अभ्यास कराया।

भ्रष्टाचार के बारे में विचार व्यक्त करती सांसद के. कविता व उपस्थित पॉलिटिशियन्स।

संस्थान में आकर मनुष्य बन जाता आदर्श : डाली

शिव आमंत्रण, भुवनेश्वर। ओड़िशा में भुवनेश्वर के 64-फॉरेस्ट पार्क सेवाकेंद्र का तीसरा वार्षिकोत्सव पूर्व मंत्री अरबिंद डाली, विधान सभा के पूर्व सचिव चंद्र शेखर मिश्रा, आर. डी. कॉलेज की प्रोफेसर विजया मिश्रा, रीजनल कॉलेज की प्रोफेसर ज्योत्सना मिश्रा, सुरक्षा प्रभाग के सदस्य कमांडर शिव सिंह, भुवनेश्वर सबजोन प्रभारी बीके लीना, यूनिट-8 सेवाकेंद्र प्रभारी बीके दुर्गेश नंदनी समेत अनेक वरिष्ठ बहनों की उपस्थिति में उमंग-उत्साह से संपन्न हुआ। समारोह में पूर्व मंत्री अरबिंद डाली ने संस्थान के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान एक फैक्ट्री की तरह कार्य कर रही है, जहां कोई भी मनुष्य आकर एक आदर्श मनुष्य बन जाता है। साथ ही चंद्र शेखर मिश्रा ने कहा यह संस्थान आत्मा को परमात्मा से मिलाने के बीच सेतु का कार्य करता है। समारोह से पूर्व बीके लीना की अगुवाई में सदस्यों ने सर पर ज्ञान कलश, हाथों में शिव ध्वज लेकर शहर में भव्य रैली निकाली।

क्विक न्यूज

मलाड मस्ती पर विशाल कार्यक्रम

प्रदर्शनी सुनकर खुशी प्रदर्शित करते पुलिस अधिकारी व प्रेक्षक।

शिव आमंत्रण, मुम्बई। मुम्बई के मलाड में विधायक असलम शेख के सहयोग से मलाड मस्ती विषय पर विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ब्रह्माकुमारीज द्वारा सद्गुणों की स्थापना मानव मात्र में हो इसके लिये कुछ खेल खिलाये गये एवं सड़क दुर्घटना से बचने के लिये प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसका कई लोगों ने अवलोकन किया। कार्यक्रम में मलाड सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कुंती ने नववर्ष व मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी व जीवन की सभी प्रकार की समस्याओं से निजात पाने के लिए सेवाकेंद्र पर आने का निमंत्रण दिया। पुलिस अधिकारियों ने भी प्रदर्शनी का लाभ लिया। इस अवसर पर स्थानीय विधायक असलम शेख ने बीके कुंती को पुष्प गुच्छ भेंट कर मलाड क्षेत्र में किये गये समाज में कल्याणकारी कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में लायन क्लब के अध्यक्ष विवेक सराफ, टीवी एक्टर आनंद गोराडिया, फ्लैमिंगो सेवाकेंद्र प्रभारी बीके नीरजा, बीके सीमा एवं बीके संजय सहित कई लोग उपस्थित थे।

स्वच्छ भारत में मनगंवा शामिल

स्वच्छ मनगंवा कार्यक्रम में बोलती बीके स्मृति।

शिव आमंत्रण, रीवा। मप्र. के रीवा में मनगंवा उपसेवाकेंद्र में भार्गव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मेरा भारत स्वच्छ सुंदर भारत अभियान चलाया गया। जिसमें बीके अर्चना व प्रभारी बीके स्मृति ने अपने विचार रखते हुए कहा कि हम सभी को पहले अपने अंदर से संपूर्ण बुराईयों को खत्म करके व्यसनमुक्त होकर संपूर्ण भारत देश को व्यसनमुक्त बनाने की प्रतिज्ञा करनी होगी। उसके साथ मेडिटेशन भी जरूरी है। साथ ही व्यसन से दूर रहने के लिए और घर-घर में शौचालय बनाने के लिए लोगों को प्रेरित किया। स्कूल की निदेशिका साधना मिश्रा ने कहा कि आज से ही हम सभी दृढ़ संकल्प लेते हैं कि अपने मनगवां क्षेत्र को संपूर्ण व्यसनमुक्त बनाएंगे। कार्यक्रम में 500 से अधिक बच्चों ने हिस्सा लिया।

नागपुर में कीर्तन महोत्सव

महोत्सव का उद्घाटन करती बीके बहनें व अतिथि।

शिव आमंत्रण, नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में राष्ट्रीय कीर्तनकार राजेंद्र बुवा मांडेवाल की स्मृति में कीर्तन महोत्सव आयोजन समिति द्वारा महाल स्थित चिटनिस पार्क में कीर्तन महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें महापौर विकास कुंभारे, आमदार गिरीश व्यास, दयाशंकर तिवारी सहित ब्रह्माकुमारी के नागपुर सेवाकेंद्रों की प्रभारी बीके रजनी, बीके मनीषा एवं बीके वर्षा मुख्य रूप से मौजूद थी। इस दौरान बीके वर्षा एवं बीके रजनी ने सभी अतिथियों को ईश्वरीय सौगात भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में नागपुर शहर के सभी आध्यात्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

राष्ट्रीय योग दिवस के निमित्त काठमांडू में प्रभातफेरी

प्रभातफेरी में सहभागी बीके सदस्य व शिक्षामंत्री धनीराम पौडेल।

शिव आमंत्रण, काठमांडू। राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य पर काठमांडू में शिक्षा मंत्रालय व ब्रह्माकुमारीज के संयुक्त तत्वाधान में 'करें योग, रहे निरोग' विषय पर प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। जिसमें ब्रह्माकुमारीज के राजयोग सेवाकेंद्र की सह निदेशिका बीके किरण, वरिष्ठ राजयोग शिक्षक बीके रामसिंह समेत सैकड़ों की संख्या में सदस्यों ने बैनर, स्लोगन बोर्ड व शिवध्वज लेकर अगुवाई की, साथ ही अनेक संस्थाओं ने भी बढ़चढ़ कर भाग लिया। इस प्रभातफेरी को शिक्षा मंत्री धनिराम पौडेल ने योग के प्रति जनजाग्रती के लिए अत्यन्त जरूरी बताते हुए कहा कि योग मनुष्यों को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रखने का एकमात्र साधन है। अंत में बीके किरण ने धनिराम पौडेल व अन्य पदाधिकारियों को ईश्वरीय सौगात भेंट की।

सभी के चेहरे पर अलग सा नूर है : अलमगीर खान

शिव आमंत्रण, पटियाला। पंजाब के पटियाला सेवाकेंद्र पर बॉलीवुड सिंगर अलमगीर खान ने शिरकत की और अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि ईश्वर, अल्लाह, गॉड सब एक के ही नाम हैं। यहां सभी के चेहरे पर अलग सा नूर है, अलग सी अमीरी है, जो परमात्मा की देन है और यह चन्द लोगों को ही नसीब होता है....। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शांता ने उनके आने पर शुभभावना व्यक्त की। सेवाकेंद्र की सभी वरिष्ठ बहनें व सेवाकेंद्र से जुड़े राजयोग का अभ्यास करने वाले सदस्य भी मुख्य रूप से इस अवसर पर उपस्थित थे।

कार्यक्रम में बोलते अलमगीर खान।

राजकोट के 20 विद्यालयों में सड़क सुरक्षा का कार्यक्रम

केप्शन : सड़क सुरक्षा के बारे में जानकारी लेते बच्चे।

शिव आमंत्रण, राजकोट। राजकोट सुरक्षा सेतु सोसाईटी एवं ब्रह्माकुमारीज के संयुक्त प्रयास द्वारा राजकोट के 20 विद्यालयों में सड़क सुरक्षा जागरूकता के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। अवधपुरी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रेखा के मार्गदर्शन में चित्र कला, लेखन, भाषण आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। साथ ही प्रतियोगिता में विजयी हुए बच्चों को भी पुरस्कृत किया गया। 1500 से अधिक स्कूली बच्चों को सड़क दुर्घटना के कारणों से अवगत कराया एवं धीमे वाहन चलाने की सलाह दी गई।

बागलकोट में आध्यात्मिक कार्यक्रम

शिव आमंत्रण, बागलकोट। कर्नाटक के बागलकोट में आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बीके बहनों ने परमात्म अवतरण का संदेश दिया एवं राजयोग सीखने का आग्रह किया। नकरा गुंडी गॉव में आयोजित इस कार्यक्रम का लाभ विभिन्न स्थानों से आये साधु संतो एवं एक हजार से अधिक लोगों ने लिया।

सम्पादकीय

बीके करूणा

सृष्टि चक्र में एक बार होता है ऐसा आंदोलन

परमात्मा शिव द्वारा स्थापित अविनाशी रूद्र गीता ज्ञान यज्ञ अर्थात ब्रह्माकुमारीज संस्थान ने अपने गौरवशाली अस्सी वर्ष पूर्ण कर लिये। भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के 140 देशों में अध्यात्म और राजयोग का शंखनाद लगातार जारी है। एक ऐसा अभियान जिसमें मनुष्य बदलकर मानव से देवता बनने की ओर अग्रसर हो जाता है। यह एक ऐसा आंदोलन है जो सृष्टि चक्र में सिर्फ एक ही बार होता है। जब दुनिया पुरानी हो जाती है और नयी दुनिया की स्थापना होती है। समस्त मानवजाति में ऐसी क्रांति शायद ही कभी देखने को मिलती है। नारी को शक्ति बनाकर समस्त सृष्टि पर परमात्म अवतरण का ध्वज लिये यह आंदोलन एक छोटे से बीज से बड़ा हुआ और लगातार बढ़ता रहा। कैसे मानव का जीवन बदले, वह बुराईयों पर विजय प्राप्त कर दैवीयता को अंगीकार कर सके। निश्चित तौर पर एक बड़ी चुनौती थी परन्तु परमात्मा का सान्निध्य ने यह सब कुछ आसान कर दिखाया। यह कारवां धीरे-धीरे बढ़ता हुआ पूरे विश्व में वट वृक्ष की भांति फैल गया। लाखों करोड़ों लोगों ने इस राह पर चलकर अपनी सकारात्मक जिन्दगी बदली। इस माताओं बहनों के इस आंदोलन ने पूरे विश्व को यह एहसास करा दिया कि नारी अबला नहीं बल्कि सबला है। तेजी से बदलते समाज के परिदृश्य में यह आंदोलन निश्चित तौर पर अपने मिशन में कामयाब होगा।

निःस्वार्थ प्रेम के रंग लाएंगे जीवन में खुशहाली

त्योहार

हमारे देश में वैसे तो बहुत सारे त्योहार मनाये जाते है। परन्तु उनमें होली का त्योहार प्रमुख है। यह एक ऐसा त्योहार है कि जिसमें रंगों की बहुत महत्ता है। यह त्योहार कई मायनों में एक आध्यात्मिक रहस्यों के साथ समेटे हुए है। यदि होली का त्योहार आध्यात्मिक रहस्यों के साथ मनाया जाये तो समाज में सदभावना और समानता का विकास हो सकता है। शिवरात्रि के बाद आने वाला यह होली का उत्सव परमपिता परमात्मा शिव की याद में मनाया जाता है। होली का त्योहार कलियुग के अन्त और सतयुग के आदि के संगम की याद दिलाता है क्योंकि तब ही परमपिता परमात्मा शिव ने अवतरित हो कर ज्ञान होली खेली और आत्माओं ने उनके साथ मंगल-मिलन मनाया। हिरण्यकश्यप का वृत्तान्त लाक्षणिक रूप में संगम काल ही पर घटाया जा सकता है। हिरण्यकश्यप के बारे में यह जो बात प्रसिद्ध है कि उसे वरदान मिला है हुआ था कि अन्दर मरूं न बाहर, न दिन हो न रात वह संगम की याद दिलाता है क्योंकि सतयुग और त्रेतायुग को ब्रह्मा का दिन और द्वारा तथा कलियुग

को ब्रह्मा की रात्रि कहते है और दोनों के संगम को न दिन न रात्रि कहा जा सकता है। अत: वर्तमान समय परमपिता परमात्मा से हम प्रैक्टिकल रूप से ज्ञान की होली और मंगल-मिलन मना रहे हैं अब संगमयुग है। परन्तु इस रहस्य से अनभिज्ञ लोग स्थूल रंग की होली मानकर समय, धन, वस्त्र, और शक्ति व्यर्थ गंवा रहे हैं और जंगल मिलन मना रहें है। कई लोग होलिका का अर्थ भुना हुआ अन्न मानते है। होलिका के मौके पर लोग गेहूँ और जौ की बालों को भूनते हैं। योगियों की भाषा में ज्ञान और योग (तपस्या) को अग्नि से उपमा दी गई है- जैसे भूना हुआ बीज नये फल को उत्पत्ति नहीं कर सकता वैसे ही ज्ञान-युक्त अवस्था में किया गया कर्म, विकर्म का रूप नहीं ले सकता अर्थात् वह विकारी मनुष्यों के संग में फल नहीं देता। अत: होलिका इस बात का भी प्रतीक है परमपिता परमात्मा शिव ने कलियुगी सृष्टि के अन्त में मनुष्यात्माओं को ज्ञान-योग की अग्नि में कर्म रूपी बीज को भूनने की जो सद् मति दी थी अर्थात् शुद्ध कर्म करने की प्रेरणा दी थी, हम उसी का पालन करें अर्थात् कुछ लकड़ियो और उपलों को जलाने को ही होली न मान लें बल्कि योगाग्नि से अपने पुराने एवं दूषित संस्कारो को दग्ध करें और जो कर्म करें वह ज्ञान-युक्त होकर करें।

होली का अर्थ हम दूसरे शब्दों में इस प्रकार भी कर सकते हैं (1)- होली अर्थात् बीती सो बीती, जो हुआ उसकी चिन्ता न करो तथा आगे के लिए जो भी कर्म करो वह योगयुक्त होकर करो। (2)- होली अर्थात् होली (हो गई) मैं आत्मा अब ईश्वर-अर्पण होली अर्थात् अब जो भी कर्म करना है वह परमात्मा के आदेश अथवा मत पर ही करना है। (3)- होली अंग्रेजी भाषा से होली का अर्थ हिन्दी में पवित्र है, तो जो भी कर्म करना है वह किसी मनोविकार के वशीभूत होकर न हो अर्थात् शुद्ध (पवित्र) हो। इस प्रकार से हम होली के त्योहार के एक शब्द से ही अनेक शिक्षाएं ले सकते है।

होली पर रंग : होली के त्योहार पर रंग डालने की प्रथा इस बात की प्रतीक है जैसे ज्ञान के अनेक पर्यायवाची शब्द है- अंजन, अमृत, अग्नि आदि, उसी प्रकार ज्ञान को रंग भी कहा जाता है। ज्ञानी मनुष्य अपने संग अर्थात् सम्पर्क-सम्बन्ध में रहने वाली आत्माओं को भी ज्ञान का रंग चढ़ाता है, चोला धारण करने वाले चोली (आत्मा) का परमात्मा से सम्बन्ध जुड़वा कर उन्हें उसकी लाली से लाल करता है अर्थात् शक्ति लेने की विधि बताता है।

अमृत कण

ऐसा समागम दूसरा नहीं देखा

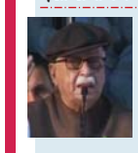

ऐसा बहनों द्वारा संचालित समागम दूसरा मैने नही देखा। लोगों का आदर करना, सम्मान करना, लोगों को शुध्द दृष्टि से देखना यह सारी बाते विशेष रूप से आ जाती है मन मे। तार्किक ज्ञान, बौध्दिक ज्ञान लौकिक दुनिया मे महत्वपूर्ण माना जाता है। लेकिन इस से बढकर कोई ज्ञान है तो वह भावनात्मक ज्ञान है। इन सबसे बढकर आध्यात्मिक ज्ञान है। आध्यात्मिक ज्ञान के कारण ही इस प्रकार का स्वभाव, आचरण देखने को मिलता है। जिसके कारण उन्नति साथ साथ होती है, श्रेष्ठता स्वाभाविक रूप से आती है।-**लालकृष्ण अडवाणी,** वरिष्ठ भाजपा नेता

अंतर्मुखी भव

हम सब ढुंढ रहे है शांति कैसे मिलेगी, सुख कैसे मिलेगा, आनंद कैसे मिलेगा? घर मे प्रेम नही, आसपास के लोगों से प्रेम नही। इसके लिए सब खोज रहे है। पांच सात कंपनीयों की गाडीयां गॅरेज मे है फिर भी सुखनही। क्युं नही। सच्चा सुख कहां है? सच्चे सुख के लिए परमपिता परमात्मा ने कहा है अंतर्मुखी भव। अपने अंदर झांक के देखो।

-**द्रौपदी मुर्मू,** राज्यपाल झारखंड

खुद सशक्त बनो

आज की परिस्थिति में महिलाओं के लिए 200 से जादा कायदे है लेकिन कायदा कुछ भी नही कर सकता जबतक महिला सशक्त नही बनती। लडका - लडकी भेद अपने घर से ही शुरू होता है। उसके लिए अपनी मानसिकता बदलना जरूरी है। स्त्री या पुरूष आत्मा मे फर्क नही है। वह एक एनर्जी है। शरीर को जैसे हम शुध्द भोजन देते है वैसे बुध्दि को शुध्द विचारों की जरूरी है। उससे एनर्जी मिलती है। जीवन खुशी से भरपूर हो जाता है। सिर्फ राजयोग उसके लिए आधार है।

-**ॲड. कांचन वाघल्ला,** लातूर

मन साफ तो सुख साथ

अगर हम शुध्द मन से साफ मन से, सुंदर मन से कोई बात करते है, तो जिस तरह से छाया हमारा कभी साथ नही छोडती उस तरह से सुख भी हमारा कभी साथ नही छोडता। संस्थान की सेवायें मनुष्य को तरक्की का मार्ग खोलती है। परमात्मा इसके लिए प्रेरित करता है। **भंते महाथेरो यशकश्यपायन,** सातारा

परमात्मा मेरे दिल का सबसे करीबी मित्र

शख्सियत

सिस्टर एरिका जर्मनी में नेचुरोपैथी की डॉक्टर हैं

जर्मनी के एक क्रिश्चियन परिवार में जन्मी एरिका चौदह साल की उम्र में ही प्राणायाम सीखकर शाकाहारी बन गयी। पेशे से नेचुरोपैथी डाटकर एरिका ने अपने जीवन को सन् 1982 में ईश्वरीय मार्ग पर प्रेरित कर लिया। आत्मा और शरीर का की डॉक्टरी करते हुए उन्होंने अपने जीवन को हमेशा के लिए ईश्वरीय सेवा में समर्पित कर दिया।

राजयोग से होता है शांति का अनुभव

मुझे बहुत शान्ति का अनुभव हुआ। परमात्मा की समीपता का अनुभव का अनुभव हुआ। परमात्मा के प्रति प्यार जाग्रत हुआ। ज्ञान में आते ही मैं सारे ईश्वरीय नियमों का अनुसरण करने लगी क्योंकि मुझे मधुबन आना था। मेडिटेशन में बाबा से वार्तालाप करती रही, बाबा से परियाद भी करती रही लेकिन बाबा ने मुझे बहुत प्यार दिया।

एक साल पहले ही छोड़ दिया था धर्म

जब मैं 22 साल की थी तब मुझे बाबा मिला। मैं क्रिश्चियन परिवार से हूँ लकिन ईश्वरीय ज्ञान मिलने से एक साल पहले उस धर्म को मैंने छोड़ दिया था। दुनिया की बुरी परिस्थितियों को देख मैंने निर्णय लिया था कि परमात्मा है ही नहीं, यह सब भ्रम है।

परिवार वाले कहते थे कि तुम परमात्मा को नही, रोज प्रेयर चीज (प्रार्थना) किया करो। लेकिन मन उनकी बात नही मानता था। मन, और कोई चीज ढूँढ रहा था जिसको मैं अनुभव करना चाहती थी। लौकिक जीवन से मैं न तो दु:खी, न सुखी थी। ऐसी लगता था कि मैंने कुछ मिस (गँवा) किया है, मुझे उस वस्तु को पाना है। वह क्या वस्तु है, यह समझ में नहीं आ रहा था। मेरे पिता जी इंजीनियर थे। जब मैं 20 साल की थी तब उनकी मृत्यु हो गयी।

आध्यात्मिक सेमिनार में मिला ज्ञान

जब मैं आर्किटेक्ट पढ़ रही थी उन्हीं दिनों मुझे ज्ञान मिला। मेरी मम्मी भी बाबा की बच्ची थी। मेरे ज्ञान में आने के एक साल बाद वो भी ज्ञान में आ गयी।

मुझे मोटर साइकिल चलाने का बहुत शौक था। खासकर पहाड़ो पर मोटर बाइक पर घूमना मुझे बहुत पसन्द था।

मैं एक खिलाड़ी भी थी। सन् 1982 में हेमबर्ग में एक आध्यात्मिक सेमिनार हुआ, उसमें मेरा जाना हुआ। मुझे यह ज्ञान अच्छा लगा। यह बहुत अच्छा इसलिए लगा कि फ्री में दिया जा रहा था। मेरी मान्यता थी कि अच्छी चीजे कभी बेची नहीं जाती। मुझे यह ज्ञान इसलिए भी अच्छा लगा कि यह हरेक व्यक्ति के ज

जीवन तथा देश के उत्थान के लिए उपकारी है, जो अन्य आध्ययात्मिक संस्थाओं में नहीं मिल सकता। अन्य संस्थाओं में मिलने वाला ज्ञान बिकता है और बहुत महंगा होता है।

ईश्वरीय ज्ञान से लगा कि मैं खुद को बदल सकती हूँ

इस ज्ञान और योग को पाने के बाद मुझे यह विश्वास हुआ कि मैं अपने को बदल सकती हूँ तथा मन का नियन्त्रण कर सकती हूँ। राजयोग मेडिटेशन की विधि सकारात्मक और सरल है, जिसने मुझे बहुत आकर्षित किया। इसके बाद निर्वैर भाई जर्मनी आये थे। उनके व्यवहार तथा गुणों को देखकर मैं ज्ञान में और पक्की हो गयी। इसके बाद मैंने साप्ताहिक कोर्स लिया। कोर्स के बाद रोज सुबह की क्लास में जाने लगी। तब से लेकर आज तक रोज सुबह की क्लास मैंने कभी मिस नहीं की है। कोर्स के दौरान मुझे कोई भी संशय नहीं आया। ईश्वरीय ज्ञान की हर बात मुझे अच्छी लगी और सही लगी। कोर्स पूरा होने के बाद उन्होंने कहा कि आप इसके बारे में सोचो, आपको अच्छा लगे तो स्वीकार करो, नहीं तो छोड़ दो। लेकिन मुझे कोई बात खराब लगी ही नहीं। क्लास में जाते हुए मुझे छह महीने हो गये थे, मन में तीव्र इच्छा हो रही थी कि बात करता है उसको देखना है। गॉड कैसे आता है, कैसे बात करता है उसको देखना है। उसी साल दिसम्बर में मैं मधुबन आ गयी।

ईश्वर के दृष्टि से ही महसूस हुआ परमात्मा का अवतरण

जीवन में लगता था कि कैसा होगा परमात्मा का अवतरण, परमात्मा से कैसी अनुभूति होती होगी। परन्तु जब मैंने बाबा से दृष्टि ली तब पूरा निश्चय हुआ। उस दृष्टि से मैंने समझ लिया कि यह कोई मनुष्य की दृष्टि नहीं है, यह तो उस परम दयालु, स्नेह के सागर परमात्मा की दृष्टि है। उस दृष्टि में ही सब बातें समायी हुई थी। दृष्टि से ही बाबा ने मुझे सब अनुभव कराया कि तुम मेरी हो, मैं तुम्हारा सब कुछ जानता हूँ।

परमात्मा को बनाया जीवनसाथी

सबसे पहला फायदा यह हुआ कि मैंने परमात्मा को अपना जीवन साथी बनाया। दूसरा यह कि स्वयं को परिवर्तन करने की कला पायी। तीसरा है कि अपनी भावनाओं को कैसे नियन्त्रण में रखें, विधि मिली। एक क्षण में कैसे अपने आपको साइलेंस में ले जायें - इसका तरीका मिला। अपने आपको समेटने की, आन्तरिक गहराई में जाने की युक्ति मिली। विश्व की दु:खी आत्माओं को योगदान करने की पद्धति की जानकारी मिली। मेडिटेशन से मुझे प्रकृति के पाँच तत्वों तथा पशु-पक्षियों को भी योगदान करने की नयी सेवा मिली।

ईश्वरीय ज्ञान से बदला जीवन

सांसरिक जीवन हमारा हमेशा ही सामाजिक बुराईयों से भरा रहा परन्तु जबसे राजयोग का ईश्वरीय ज्ञान मिला तबसे जीवन में सकारात्मक बदलाव आ गया। धीरे धीरे मन में सन्तुष्टता आने लगी। जीवन का लक्ष्य मिला। मैं अपने को बदल सकती हूँ - यह आत्मविश्वास आया। मुझे यह भी अहसास हुआ कि इस मार्ग का अनुसरण करने से मेरा भला होगा।

बाबा हैं अति समीप के मित्र

मित्र का, विदेशों में माता-पिता तथा भाई-बहन से ज्यादा, मित्र को बहुत पसन्द किया जाता है। मित्र को चुना जाता है, बनाया जाता है। जिसको हम चुनते है, उसके सामने तो अपना सब-कुछ बता देते है ना मित्र भी अपना सब-कुछ हमें बताता है। मित्र के ऊपर ही पूरा भरोसा रहता है। मैं तो बाबा को अपना पुराना तथा अति समीप का मित्र समझती हूँ। बाबा भी मुझे मित्रता का अभ्यास तथा अनुभव कराता है। मैं अपना सब-कुछ बाबा को बताती हूँ और जो भी करना है, बाबा से राय लेकर करती हूँ।

ईश्वरीय ज्ञान से जीवन में संन्तुष्टता आ गयी। जीवन का लक्ष्य मिला। मैं अपने को बदल सकती हूँ- यह आत्मविश्वास आया। मुझे यहभी एहसास हुआ किइस मार्ग का अनुसरण करने से मेरा भला होगा। इस प्रकार मेरा पूरा जीवन सुख से भरपूर हो गया। सभी को परमात्मा के इस मार्ग का अनुसरण करना चाहिए।

मुश्किलों से घबराने से इंसान भूल जाता है सही रास्ता

'आई एम द बेस्ट', जीतने की आदत बनाइये, जल्दी से लक्ष्य हासिल कीजिए

माइंड पावर

लेखक बीके शक्ति वर्ल्ड रिकार्ड होल्डर, माइंड, मेमोरी स्प्रीचुअल ट्रेनर व मोटिवेशनल स्पीकर हैं।

थॉमस वैज्ञानिक आइंस्टीन एक सहयोगी के साथ शोध कार्य में लगे थे। 700 प्रयोगों के बाद भी जब सफलता नहीं मिली तो सहयोगी ने हताश होकर प्रयोग बंद करने को कहा। आइंस्टीन ने कहा कि हम विफल नहीं हुए है हमने 10 दिशाओं में खोज की है, और अब जो बहुत कम दिशाएँ (विकल्प) बची है सफलता उन्हीं में से किसी एक में है। अंतत: सफलता मिल ही गई।

बाधाओं से न घबराएं

इंसान जीवन की मुश्किलों से घबराकर लक्ष्य को भूल जाता है ठीक ऐसे ही कई ओलंपीयन्स है जिनके जीवन में आए कठिन हालत ने उन्हें तकरीबन तोड़ दिया था। वे घबराए नहीं और हर बार नए सिरे से जुट गए। आत्मविश्वास के लिए अभ्यास जरूरी है, तभी आप दुनिया से कह सकते है। 'आई एम द बेस्ट' जीतने को आदत बनाइए जितना जल्दी हो सके, लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में काम कीजिए। हार का सामना हर किसी ने किया है, पर जीत उसी की हुई है जिसने संघर्ष जारी रखा। यदि लक्ष्य हासिल करना है, तो भावनात्मक रूप से मजबूत बनना पड़ेगा, नहीं तो मेहनत पर पानी फिर जायेगा। आइयें हम आपकों मिलाते है, जिंदगी के गोल्ड मेडिलिस्ट स्टारों से:-

मुझे कोई नहीं हरा सकता!-उसेन बोल्ट

जमैका के धावक उसैन बोल्ट तीन बार ओलंपिक गोल्ड मेडल जीत चुके है। बिजली की रफ्तार से दोड़ने वाले बोल्ट ने दावा किया है, कि अगर वे पूरी तरह से फिट रहे तो इस बार लंदन ओलंपिक्स में उन्है कोई नहीं हरा सकता। 'इस तरह की बात वही व्यक्ति कह सकता है जिसे अपने काम पर पूरी पकड़ हो और जो आगे रहने के लिए लगातार प्रेक्टिस करता है अगर आप भी जीवन में कुछ खास प्राप्त करन की कोसिश कर रहेहै, तो आपको कड़ी मेहनत और अभ्यास की जरूरत है, तभी आपके अंदर आत्म विश्वास पैदा हो सकता है यह आत्मविश्वास ही आपको आगे ले जाता है माइकल फेलप्स'

दुनिया भर में मशहूर अमेरिकी तैराक माइकल फेलप्स ने पिछली बार बीजींग ओलंपिक्स में व्यक्तिगत रूप से 8 स्वर्णपदक जीतकर साबित कर दिया कि उनके जैसा कोई नहीं है, वे ओलंपिक खेलों में कुल 16 मैडल जीत चुके है। फेलप्स कहते है कि मैं जीतने के लिए तैरता हूँ, मुझे हार कतई पसंद नहीं, यही मुझे जीतने के लिए प्रेरित करता है। जीतना मेरे लिए एक आदत कि तरह है, शुरूआती दौर में मुझे जीतने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती थी, पर अब मैंने इसे एक आदत बना लिया है। वे कहते हैं- 'हीरोज स्टार्ट अर्ली'।

मंतसल यानी विजेता बहुत जल्दी शुरूआत करते है। 'मुझे बस जीतना है' एमसी मेरी कॉम

मणिपुर की बॉक्सर मैरी कॉम की कहानी से काफी सबक ले सकते है, दो बच्चों की माँ और मुक्केबाजी जैसा खेल, पर उन्होंने हमेशा खुद को कमाल का साबित किया है, लगातार पाँच साल वर्ल्ड बाक्सिंग चैम्पियन रहने वाली मैरी कॉम भावनात्मक रूप से काफी मजबूत है। वे अपने बच्चों को बहुत प्यार करती है। पर जब वे ऐशियन कप के लिए खिताबी संघर्ष कर रहीं थी, तो उनके बेटे के दिल का आपरेशन चल रहा था। ऐसी मुश्किल घड़ी में उन्होंने एशियन कप का खिताब जीता और दुनिया को दिखा दिया कि भावनाओं पर काबू कर के हर कोई सफलता हासिल कर सकता है

पेट की बीमारियों की अचूक दवा है मयूरासन

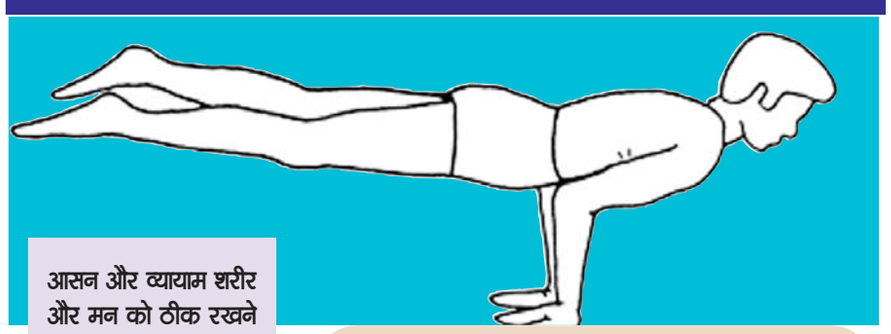

आसन और व्यायाम शरीर और मन को ठीक रखने के कारगर उपाय हैं। यदि हम प्रतिदिन थोड़ा थोड़ा समय निकालें तो निश्चित तौर पर कई बीमारियों का इलाज सहज ही हो जाता है। यदि पेट सम्बन्धित बीमारी मयूर आसन को करते समय शरीर मोर समान स्थिति में दिखाई देता है, इसलिए इसे मयूरासन कहते हैं। पेट संबंधी रोगों को दूर करने में यह आसन काफी मदद करता है। इसके करते रहने से जीवन में कभी भी मधुमेह नहीं होता। इससे शरीर में कहीं भी चर्बी नहीं बढ़ती।

योगा का यह वह आसन है जिसमें आपका शरीर मयूर की तरह दिखाई पड़ता है इस आसन को करने के लिए बहुत सावधानियाँ बरतने की आवश्यकता होती है इस आसन में शरीर का पूरा भार हाथों पर टिका होता है और शरीर हवा में लहराता है

मयूरासन के लाभ

- यह आसन चेहरे पर लाली प्रदान करता है व उसे सुंदर बनाता है।
- फेफड़ों के लिए बहुत उपयोगी है।
- भुजाओं और हाथों को बलवान बनाता है।
- आसन शरीर में रक्त संचार को नियमित करता है।
- इस आसन का अभ्यास करने वालों को डायबिटीज रोग नहीं होता। यदि यह हो भी जाए तो दूर हो जाता है।
- यह आसन पेट के रोगों जैसे-अफारा, पेट दर्द, कब्ज, गैस और अपच को दूर करता है।

ऐसे कैसे करें मयूरासन : सबसे पहले दोनों घुटनों के बीच में रखें। हाथ के अँगूठे और आँगुलियाँ अंदर की ओर रखते हुए हथेली जमीन पर रखें। अब दोनों हाथ की कोहनियों को नाभि केन्द्र के दाएँ अच्छे से जमा लें। पैर उठाते समय दोनो हाथों पर बराबर वजन देकर धीरे-धीरे पैरों को उठाएँ। हाथ के पंजे और कोहनियों के बल पर धीरे-धीरे सामने की ओर झुकते हुए शरीर को आगे झुकाने के बाद पैरों को धीरे-धीरे सीधा कर दें। पुनः सामान्य स्थिति में आने के लिए पहले पैरों को जमीन पर ले आएँ और तब पुनः वज्रासन की स्थिति में आ जाएँ।

यह रखें सावधानियां : यदि ब्लड प्रेशर, टीबी, हृदय रोग, अल्सर और हार्निया रोग की शिकायत हो तो यह आसन योग विशेषज्ञ और चिकित्सक के परामर्श के बाद ही यह करें।

आसन से लाभ : यह आसन पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में काफी कारगर है। कब्जियत, गैस आदि पेट से संबंधित सामान्य रोगों में भी यह आसन लाभकारी है। इससे आँतो एवं उससे संबंधि अंगों को मजबूती मिलती है। साथ ही अमाशय और मूत्राशय के दोष भी दूर होते है। दस आसन से वक्षस्थल, फेफडे, पसलियों और प्लीहा को शक्ति प्राप्त होती है। दस आसन को करने से पेन्क्रियाज पर दबाव पड़ने के कारण मधुमेह के रोगियों को भी काफी लाभ मिलता है। यह आसन गर्दन और मेरूदंड के लिए भी लाभदायक है।

मयूरासन विधि : इसमें शरीर की आकृति मोर जैसी हो जाती है। भूमि पर आसन बिछाकर सबसे पहले वज्रासन लगाइए। जांघों और नितंबों को उठाते हुए आगे की ओर झुकिए। दोनों हाथों व घुटनों के बल मयूर की आकृति में आएं। हथेलियां व पंजों और दोनों कोहनियों को नाभि से लगाते हुए दोनों टांगों को भूमि से ऊपर उठाइए। टांगों को पीछे की ओर तानिए, शरीर का भार बाहों और कोहनियों पर डालते हुए धरती के समांतर शरीर को उठाइए। शुरू में यह आसन एक बार ही करें। धीरे-धीरे क्षमता के अनुसार बढ़ाएं।

स्टूडियो में जुड़ने जा रहा नया आयाम

परमात्मा द्वारा दिया गया अनोखा उपहार गॉडलीवुड स्टूडियो दिन प्रति दिन नया आयाम तय कर रहा है। जिससे एक स्थान से हजारों लाखों आत्माओं को परमात्मा का संदेश मिल रहा है। कई भाषाओं में कार्यक्रमों का प्रोडक्शन, करीब पचास से ज्यादा चैनलों में टेलिकास्ट से करोड़ो लोगों को परमात्मा का संदेश घर बैठे ही मिल रहा है। इसके साथ ही एक गॉडलीवुड न्यूज एन व्यूज नाम की बुलेटिन का भी प्रकाशन होने जा रहा है। जिसमें गॉडलीवुड स्टूडियो का समाचार विस्तार से मिलेगा। यह बुलेटिन इंग्लिश भाषा में उपलब्ध होगा। जिसमें स्टूडियो की सारी गतिविधियों से लेकर आगामी कार्यक्रमों के बारे में भी विस्तार से समाचार प्रकाशित होगा। मासिक निकलने वाले इस मैगेजिन उन सभी लोगों के पास पहुंचेगी जो इस स्टूडियो से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप में जुड़े या नहीं भी जुड़े है। इससे लोगों को आन्तरिक सशक्ति करण का मार्ग प्रशस्त होगा। बनने वाली नयी फिल्में, सीरियल्स, नृत्य नाटिका, राजयोग प्रवचन, त्योहारों का आध्यात्मिक रहस्य आदि के बारे में भी विस्तार से सुनने व जानने को मिलेगा।

- **बीके हरीलाल,** कार्यकारी निदेशक, गॉडलीवुड स्टूडियो, आबू रोड

आशीर्वचन

सर्व समस्याओं का एक समाधान, ईश्वर पर अमिट विश्वास

हमारे सोचने से परिस्थितियाँ उस ओर आकर्षित हो जाती है। जो लोग घर में चोरी होने का अंदेशा करते है, दो ताले लगाते है, उन्हीं के घर चोरी होने की संभावना अधिक होती है, क्योंकि चोर तक ऐसा वायब्रेशन पहुँच जाता है। हम किसी चीज के दूर नहीं जा सकते, बल्कि हम किसी चीज के नजदीक आ सकते है।

डर या भय एक मानसिक अवस्था है। मानसिक मजबूती से हम इस पर नियंत्रण पा सकते है। परीक्षा में सभी को डर लगता है, लेकिन 2 छात्रों को डर नहीं लगता। पहला, जिसे यह विश्वास हो कि उसका प्रथम स्थान आएगा तथा दूसरा, जिसेपता हो कि पक्का उसे फेल होना है। हम डर पर नियंत्रण प्राप्त कर निर्भय बन सकते है। डरने से किसी प्रकार की समस्या का समाधान नहीं मिलेंगा, बल्कि समस्या तो बढ़ जाएगी। डर कर पढ़ेगे तो लूजमोशन व बुखार हो जाएगा और उतने भी अंक नहीं मिलेंगे, जितनी कि हमने तैयारी की है। डर किसी व्यक्ति, वस्तु में नहीं है, बल्कि हमारे मन का वहम है। दो फीट की लकड़ी पर हम चल सकते है, परन्तु पाँच मंजिल पर रखी गई इस जाएँ। वास्तव में हम जिससे डरते है, वह सच्चा शेर न होकर, कागज का शेर है। परिस्थितियाँ निर्जीव होती है, लेकिन हम परिस्थितियों में जान फूँक देते है। इस प्रकार मन में डर पैदा हो जाता है। आवश्यकता है कि हम अपने विचारों को परिवर्तन कर लें। हमारे पुराने कपड़ो पर चाय नहीं गिरती, लेकिन जो नए कपड़े पहनते है, उस पर चाय गिर जाती है, क्योंकि हम सोचते है कि कहीं इस पर चाय न गिर जाए।

एवरेस्ट पर हिलेरी कई प्रयास में पहुँचे। सफ लता प्राप्ता करने के ठीक पूर्व प्रयास में एडमंड हिलेरी ने एवरेस्ट चोटी से बात की कि तुम्हारी चोटी तो अब बढ़ने वाली है। अगली बार मैं अधिक तैयारी से आऊँगा तो तुम्हारे ऊपर विजय प्राप्त करूँगा। स्वामी विवेकानंद कहते है कि यदि तुम्हारे में ताकत है, तो तुम हथेली पर हिमालय बना सकते हो। डर का मूल कारण खोजें और इसे समाप्त करें। व्यक्तिगत जीवन में कभी कोई बुरा अनुभव हो जाता है तो वह डरता है कि कहीं यह फिर पुन: न हो जाए। एक बार एक व्यक्ति लिफ्ट में फँस गया और फिर 6 माह तक लिफ्ट से नहीं गया। 6 माह बाद पुन: जब लिफ्ट में गया तो डर के कारण लिफ्ट बंद कर दी और बाहर आ गया। लिफ्ट को लेकर उसका डर बढ़ता गया। एक बार स्कूल टीचर ने एक छात्र से कोई प्रश्न पूछने के लिए डाँटा। उस लड़के ने डरकर बहुत दिनों तक टीचर से कोई प्रश्न नहीं किया। हमें ऐसा नहीं करना चाहिए। यदि कोई परिस्थिति आए, तो उसका सामना करना होगा।

डरावनी परिस्थितियाँ हमें बहुत कुछ सिखाती है। डर हमारे पास संदेश लेकर आता है कि हमारे में परिवर्तन की आवश्यकता है। लाल बहादुर शास्त्री दुबलेपतले गरीब घर से थे, लेकिन निर्भय थे।

प्रधानमंत्री बनने के बाद अच्छे - अच्छे इनसे बात करने की हिम्मत नहीं जुटा। पाते थे। जवाहरलाल नेहरू ने 11 वर्ष की इंदिरा गांधी को पत्र लिखा। हिम्मतवान बनो, निर्भय बनो, व्यक्ति को कोई परिस्थिति रोक नहीं सकती। कठिन परिस्थिति में भीअपना मार्ग खोज निकालो।

डरावनी परिथति को चुनौती के रूप में स्वीकार करें।

डर से कभी दूर न भागें

वक्त शब्दों को 20 बार बोलकर अपना साहस बढ़ा लें और सोचें कि अब पीछे हटने का रास्ता नहीं बचा है। रोम ने इंग्लैंड पर जहाज से चढ़ाई कर दी। इंग्लैंड की धरती पर उतरते ही कैप्टन ने जहाज नष्ट कर दिया। वह समझ गया था कि सैनिकों को वापस लौटने का विकल्प नहीं मिलेगा तो विजयी होंगे ही। कभी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। क्रिस्टोफर कोलंबस भारत की खोज में निकला। दो वर्ष बीत जाने के बाद सभी खान-पान, साधन इत्यादि समाप्त हो गया। सैनिको ने सोचा कि यह तो हमें मार डालेगा। सैनिकों ने योजना बनाई। कोलंबस को नदी में फेंक दिया जाए और उसने अपने सैनिकों से सात दिन का समय ओर माँगा और ठीक छठवें दिन अमेरिका मिल गया। निर्भयता के लिए अपने संस्कार को बदलें।

संस्कार बदलोगे, तो नया संसार पाओगे।
निर्भय बनोगे, तो सफलता पाओगे
आम कहाँ से खाओगे, जब बोया
पेड़ बंबूल का।

अर्थात् अपने कर्म में विश्वास रखें, ईश्वर में आस्था रखे, विचारों की निगराली करें ओर ध्यान करें, तो किसी भी प्रकार की सफलता से आपको कोई रोक नहीं सकता। शिवाजी ने अपना एक अभेद्य किला बनाया था। नियम के अनुसार 7 बजे के बाद यह बंद हो जाता था। एक माँ अपने बच्चे को छोड़कर जंगल गई थी और वापस आने पर बंद मिला। बहुत अनुरोध करने पर नहीं खुला। अपने प्रयास से वह पहाड़ो पर चढ़कर घर पहुँच गई। शिवाजी को जब जानकारी हुई तो वह डर गए। उन्होंने सोचा कि जब महिला अंदर आ सकती है, तो दुश्मन भी आ सकता है। उन्होंने महिला को बुलवाकर पुन: ऐसा करने को कहा। महिला ने कहा, वह समय लिए चुनौती था और यह समय हमारे लिए चुनौतीपूर्ण नहीं है। इसलिए मैं नहीं चढ़ सकती।

जीवन प्रबंधन : हम आज जो भी हैं अपने संस्कारों की वजह से हैं

रिश्तों में प्रेम और आनन्द हो स्वाभाविक

हमारे पास कुछ निश्चित प्रकार के संस्कार हैं, जिन्हें हमने पिछले चोलों के दौरान एकत्र किया आज हम इस चोले में हैं और बहुत से कर्म कर रहे हैं। इससे एक संस्कार बन रहा है। भले ही शरीर त्याग करने का समय आ जाए परन्तु संस्कार इतनी जल्दी से नही मिटते मानो आपने किसी सी-डी में गाने रिकॉर्ड किए और आप सी डी ले जाकर, किसी दूसरे प्लेयर पर चला देते हैं अब भी आपके पास वही गाने हैं ।

सुरेश ओबरॉय: किसी किताब में लिखा था कि शांति और प्रशन्नता लगभग साथ-साथ चलते हैं। लेखक कहते हैं कि किसी बच्चे कि मुस्कान में, किसी मां के स्नेहमयी स्पर्श में शांति छिपी हैं, इसका धर्म या भगवान से कोई संबंध नही हैं, पर सब मन की अवस्था पर निर्भर करता हैं।

बीके शिवानी: दोनों ही दशाओं में, लेखक अस्तित्व के सम्पादनों की बात कर रहा है बच्चे की मुस्कान से शुद्वता और और भोलेपन का स्पंदन प्रकट होता है, मॉ के प्यार से भरे स्पर्श में स्नेह और निस्वार्थ स्वीकृती का स्पंदन छिपा है जब हम इन स्पदनों का अनुभव करते हैं, तो समय हम उस कार्य की अपेक्षा उस स्पंदन की ऊर्जा को महसूस करते हैं और तभी हमें शांति का एहसास होता है। जहाँ भी शांति होगी, वहाँ निश्चित रूप से प्रसन्नता भी होगी।

सुरेश ओबरॉय: मॉ और बच्चा सहज रूप से प्राकृतिक हैं। लेकिन रिश्तों में, लोगों के साथ हमें प्रयास करना होगा।

बीके शिवानी: और रिश्तों में भी हमें इसे स्वाभाविक बनाना है। अगर हम दूसरों के लिए करते हैं तो मेहनत महसूस होगी, लेकिन अगर हम यह समझें कि यह हमारा स्वभाव है तो यह सहज हो जायेगा। अगर हम यह सोचकर कुछ करें कि हमें दूसरे को खुश करना है, तो मेहनत हैं, अगर हम अपने सहज स्वभाव से करें तो सरल हो जायेगा।

सुरेश ओबरॉय: इसका अर्थ हुआ कि अपने स्वभाव में स्थित होना ही शांति प्रेम ओर प्रसन्नता हैं?

बीके शिवानी: हाँ, हमें बस इसी सजगता को बनाये रखना होगा कि ये हमारी कुदरती खूबियाँ हैं। ये वह खूबियाँ नही है, जो हमें कोई काम करने पर प्राप्त होगी: हमारा स्वाभाविक संस्कार हैं। यह हमारा मूल अस्तित्व है: हमें बस इसे स्मरण करना है इसके प्रवाह में वहना है- इसे कही बाहर तलाशने की आवश्यकता ही नही है।

सुरेश ओबरॉय: अजीवन हम लोगों से यही सुनते आये हैं, 'देखो , मेरा जन्म जनवरी का है। मैं दिसम्बर मैं पैदा हुआ था।, मैं तुला राशि से हूँ। मेरी राशि वृश्चिक है। मैं ये हूँ। मैं बहुत गुस्से वाला हूँ, मेरे पति तो ऐसे हैं। मरी बीबी बड़ी प्यारी है।, किसी के जन्म के साथ कुछ बातों का मैल करते हुए, एक बात बता देना कितना आसान है।, मैं तो ऐसा हूँ अब हमें सीखना होगा कि यह सब गलत है अनुचित है।

बीके शिवानी: एक बहुत ही सुन्दर शब्द है, संस्कार। यह व्यक्ति त्व का एक गुण है। प्रत्येक आत्मा के भीतर पाँच तरह के संस्कार होते हैं और तभी इस अस्तित्व को को समझना बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि यह पाँच तरह के संस्कारों के मैल से तैयार हुआ है पहले तरह के संस्कार हमें हमारे परिवार से मिलते हैं। हम अपने परिवारों के सदस्यों के बीच हैं इसलिए वह ऊर्जा अपने आप हम पर प्रभाव डालती हैं। दूसरी तरह के संस्कार हमारे परिवेश, हमारे देश, हमारे धर्म, जाति, शहर, स्कूल या मित्रों से प्राप्त होते हैं। हम हमेशा से सुनते आए हैं - हम जिस संगीत में रहेगें, उसी के रंग में रंग जायेंगे। हमारे आस पास का परिवेश और लोग, हमारे आस-पास की ऊर्जा, हमारे आस -पास के विश्वास तंत्र ये सभी संस्कार रचते हैं तीरे प्रकार के संस्कार वे होते हैं, जो हमारे अतीत से जुड़ संस्कार हैं। जब हम यह समझ लेते हैं कि हम एक आध्यात्मिक जीव हैं और हमारी मृत्यु नही होगी- हम केवल चोलाप बदलते हैं और हर तरह का चोला धारण करते हुए हमारी यात्रा जारी रहती है।

सुरेश ओबेरॉय : प्रसन्न का क्या अर्थ है।

स्टिर शिवानी: हम क्या कर रहे हैं, हमने कैसे संबंध बनाए हैं, हम क्या प्राप्त करना चाह रहे हैं और ऐसे बहुत सी बातों के साथ, हम सभी जीवन में प्रप्त करना चाह रहा हैं। अगर हम जीवन के बारे मैं सोंचें,तो स्पष्ट दिखाई देता है कि हम सभी प्रसन्नता व आंनद की तलाश में हैं।

सुरेश ओबेरॉय: जैसा कि आपने कहा, हम सभी प्रसन्नता की तलाश में हैं। परंतु हम किस माध्यम से इसकी तलाश कर रहे हैं।

सिस्टर शिवानी : हम इसे अलग-अलग साधनों से तलाश करते है -यह किसी भी तरह के साजो - सामान, संपत्ति, संबंध, उपलब्धियों और आच्छे है कि वे आपने जीवन के माध्यम से हो सकता है। जैसे आप किसी से पुछते हैं कि वे अपने जीवन में क्या पाना चाहते है, तो वे प्राय: उत्तर देते हैं कि वे सफलता पाना चाहते हैं। वे सफलता क्यों पाना चाहते हैं, क्योंकि इससे उन्हें खुशी मिलती है। आप उससे पुछते हैं कि आप किसी खास वस्तु को क्यों खरीदना चाहते हैं। उसमें से अधिकाश का उत्तर यही होता है कि इससे उन्हें या उनके परिवार को प्रसन्नता होगी। आप किसी से पुछते हैं कि उन्हें किसी संबंध से क्या मिलता हैं? और फिर उत्तर मिलता है कि उन्हें संबंधों से प्रसन्नता मिलता है। तो कुछ मिला कर सभी एक ही चीज की तलाश में हैं-खुशी

हमारी सारी खुशी का स्रोत हमारे भीतर

आपका चेतन मन जिस भी बात को स्वीकार करता है, और उसके सच होने पर भरोसा करता है, आपका अवचेतन मन उसे स्वीकार कर लेगा और हकीकत में बदल देता है ।

हम जो हासिल करते है, और जो हासिल करने में असफल रहते है, वह सब हमारे खुद के का परिणाम होते है यानि जो हम जो सोचते हैं वैसा ही हमारे साथ हो जाता हैं। हमारी और शक्तियाँ, शुद्धता और अशुद्धता हम पर ही निर्भर करती है।

उन्हें कोई दूसरा नहीं, बल्कि हम ही बदल सकते है । हमारी सारी खुशी और द:ुख का स्त्रोत हमारे भीतर है । जैसा हम सोचते है, वैसे ही हम होते है, जैसा हम वर्तमान में सोचेंगे, भविष्य में हम वैसे ही बनेंगे।

कुछ चिजें ऐसी होती है, जिन्हें आप नहीं बदल सकते, जैसे ग्रहो की गती, मौसम का परिवर्तन, समुद्र का ज्वार-भाटा या सुर्य का उदय व अस्त होना । आपका चेतन मन जिन विश्वासों, मान्यताओं, रायों और विचारों को स्वीकार करता है, वे सभी आपके अधिक गहरे, अवचेतन मन पर अपनी छाप छोड़ते है । अपने अवचेतन मन को सही रास्ते पर कैसे ले जाएँ, वह सीखना बहुत जरुरी है । सौंदर्य, प्रेम, शांति, बुद्धिमानी, और स्त्रजनात्मक विचारो वाली सोच रखें । आपका अवचेतन मन उसी के हिसाब से प्रक्रिया करेगा और आपकी मांसिकता, शरीर तथा जीवन की परिस्थितीयों को बदल देगा। मनोवैज्ञानिक और मनोविश्लेषक बताते है कि जब विचार आपके अवचेतन मन तक पहुंचते है, तो वे मस्तिष्क की कोशिकाओं पर अपनी छाप छोड देते है ।

बुरे विचारों को ना करें स्वीकार

आपका अवचेतन मन गीली मिट्टी की तरह होता है यह किसी भी तरह के अच्छे या बुरे विचार को स्वीकार कर उसी आकार में ढ़ल जाता है। आपके विचार सक्रीय होते है । उन्हें वे बीज मान लें, जो आप अपने अवचेतन मन की मिट्टी में बोते हैं ।

नकारात्मक विनाशकारी विचार आपके अवचेतन मन में नकारात्मक ढंग से काम करते है निश्चित रुप से, समय आने पर आपको उनके अनुरुप ही फसल मिलेगी । आपके चेतन मन के अन्दर विचार आपके अवचेतन मन में गहरे खाँच बना देते है ।

यदि आपके अन्दर विचार सामंजस्यपूर्ण शांतिपूर्ण और स्त्रजनात्मक है, तो यह आपके तथा आपके कैरियर दोनों के लिए बहुत फायदेमंद होता है । इसलिए यह बात जान ले की विचार ही वस्तु है। आप मन में जो महसूस करते है, आप मन में जो महसूस करते है उसे ही अपनी ओर आकर्षित करते है । आप जिसकी कल्पना करते है, वही बन जाते है । यदि आप ऐसा कर लेते है तो इसके बाद आपके जीवन में चमत्कार होने लगेंगे।

सकाम और निष्काम सेवा

आप जहाज के कप्तान है, आप आदेश दे रहे है और आपका अवचेतन आपके आदेश की छाप को ग्रहण करके इसे साकार कर देगा, चाहे यह सत्य हो य नहीं, जैसा हमने बताया है । इसलिए सिर्फ उन्हीं चिजों को स्वीकार करें जिन्हें आप वास्तव में साकार देखना चाहते हो। यह कभी न भुलें कि आपका अवचेतन मन आपकी हर बात पर विश्वास करता है । यह शत-प्रतिशत आपकी बात मानता है । यदी आप यह कहते रहेंगे, मुझे वह प्रमोशन नहीं मिल सकता, मैं अपनी आजीविका नहीं चला सकता, तो आपका अवचेतन मन ऐसी परिस्थितियाँ बना देगा कि आप सचमुच ऐसा नहीं कर पाएँगे ।

आपके अवचेतन मन पर दूसरो के

आकर्षण का सिद्धांत

आपको यह एहसास करना होगा कि आपका चेतन मन दरवाजे पर खड़े पहरेदार की तरह होता है । इसका मुख्य कार्य है आपके अवचेतन मन को झूठी छवियों से बचाना । अब आप मस्तिष्क का एक बुनियादी नियम जान चुके है। आपका अवचेतन मन सुझावों को ग्रहण करता है । जैसा आप जान चुके हैं आपका अवचेतन मन तुलना नहीं करता है। न ही यह तर्क करता है। या खुद विचार सोचता है ये सारे कार्य तो आपका चेतन मन करता है, सफर तरक्की का - आपका अवचेतन मन तो सिर्फ उन्हिं छवियों पर प्रतिक्रिया करता है, जो आपका चेतन मन इसे देता है । यह खुद काम की किसी खास दिशा या योजना को तवज्जो नहीं देता है । याद रखें, चेतन मन की इच्छा के विरुद्ध कोई सुझाव अवचेतन मन पर हावी नहीं हो सकता। आपके चेतन मन में किसी भी झूठे या नकारात्मक सुझाव को ठुकराने की शक्ति होती है।

आपको यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आप अपने अवचेतन मन तक सिर्फ वही सुझाव पहुँचने दें, जो हर मायने में आपका उपचार करते हों, वरदान होते हों, आपको उच्च स्तर पर ले जाते हों और प्रेरित करते हों ।

पंखों कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है

समस्या-समाधान

प्रेरक प्रसंग है बाज के जीवन से जुड़ी हुई, हम इन्सानों से कितनी जुड़ती है ये कथा?

उत्तर : जो मनुष्य सारे पुराने विचारों को लेकर चलता है जो व्यक्ति पुरानी आदतों के साथ जीता रहता है जो अपनी पुरानी बातों को छोड़ता नहीं या कोई पुरानी बात घटित हो गई थी। उसको पकड़े रहता है वह अपने को भारी कर देता है। और उसके लिए उड़ना तेज चलना अपने काम खुद कर लेना सफल हो जाना ये काम बहुत कठिन हो जाता है इसलिए समय अनुसार मनुष्य को बदलना ही चाहिए। अपने विचारों को बदलना चाहिए, लकिन इसका अर्थ ये नहीं कि निगेटिव विचार को ही बदला जाए पोजिटव भी बदला जाए कई लोग सोचते है कि दुनिया बड़ी पापी हो गई है हम भी पाप कर लें। पाप से पैसा कमाया जा रहा है तो हम भी बहुत कमा लें। उन्हीं के मार्ग पर चल के ये नहीं लेकिन अपने विचारों को महान बनाये अपने संस्कारों को बहुत स्वीट सॉप्ट बनाये बड़े निर्मल बड़े सुखदायी बड़े कल्याणकारी बनायें, तो सचमुच हमारी उड़ान बहुत ऊँची हो सकती है। एक बाज की जो उम्र होती है ना वो 70 वर्ष की होती है। जब वो 40 वर्ष का होता है तो उसे अपने जीवन का बहुत ही महत्वपूर्ण निर्णय लेना होता है। क्योंकि उसके पंजे जो होते वो लम्बे होने लगते है, और ढ़ीले होने लगते है। जिससे वो अपने सिकार को नहीं पकड़ पाता है उसकी जो चोंच होती है वो भी आगे से मुड़ने लगती है जिससे वो भोजन ठीक से नहीं कर पाता है। उसके जो पंख होते है वो भी ज्यादा बड़े होने लगते है और चिपकने लगते है उसके शरीर से जिससे की उसे उड़ने में असुविधा होने लगती है भारी होने के कारण पंख के, अब उसे निर्णय लेना होता है कि आगे क्या करें तीन विकल्प होते है उसके पास या तो वह अपने शरीर का त्याग कर दे पहला विकल्प, दूसरा विकल्प होता कि गिद्ध की तरह दूसरों के द्वारा छोड़े हुए भोजन को करना शुरू कर दे त्यक्त भोजने जिसे कहते है शिकार किया हुआ भोजन खुद शिकार किया हुआ भोजने नहीं दूसरों के द्वारा शिकार किया हुआ भोजन खाना तीसरा ऑपशन उसके पास होता है कि वह अपने आपको पुनर्रस्थापित करें जैसे वो पहले था अपने युवा काल में पहले के दो ऑपशन वो बहुत सहज और सरल है लकिन जो तीसरा ऑपशन है वो जरा जटिल है कठिन है पीड़ा दायक है जब मैं पढ़ रहा था तो सोच रहा था कि बाज कौन सा आप्सन चूस करता होगा। बाज तीसरे ऑपशन है बाज अपने आप को पुनर्रस्थापित करना चाहता है और इसके लिए वह बहुत ऊँचे पहाड़ पर चला जाता है वहाँ अपना घोसला बनाता है और पहले वो जो चोंच है उसे तोड़ता है अपनी ही चोंच को तोड़ना कितनी पीड़ा दायक स्थिति हो सकती है तो आप समझ सकते है फिर उसके बाद वह इन्तजार करता है नये चोंच आने का उसके पश्चात वह अपने पंजो को तोड़ता है और इन्तजार करता है नये पंजो के आने का और फिर जब नयी चोंच नये पंजे आ जाते है तो फिर वह अपनी ही चोंच से अपने भारी भारी पंखो को

नोचता है अलग कर देता है और इन्तजार करता है नये पंखो के आने का ये जो पूरी प्रक्रिया है इसमें पूरे एक सौ पच्चास दिन लगभग लग जाते है पूरे-पूरे 5 महीने इस पीड़ा की स्थिति में परिवर्तन की स्थिति में लेकिन एक सौ पच्चास दिने के बाद फिर से उसके पास वही शक्ति वही ऊर्जा होती है वही उत्साह होता है जैसे उसके पास युवा काल में हुआ करती थी और अगले 30 साल वह फिर से सिर उठाकर जीता है उड़ता है आकाश में और खुद वह शिकार करता है हम में से अधिकांस लोग वही चीजें ढ़ो के चल रहे होते है और उन्हीं के साथ जीते है हम शायद कोशिश नहीं करते कि हम खुद को पुनर्रस्थापित करें ये चीज हमें ये सीखाता है कही न कही कुछ चीजों को चिपका के चल रहे हम अपने मन के साथ अपने जीवन के साथ पुरानी आदतों के साथ पुराने संस्कारों के साथ उन्हें ढो के चल रहे होते है और नया कुछ नहीं सोच पाते नया कुछ नहीं कर पाते ये बाज ये नया प्रसंग हमें ये सीखाता है कि कहीं न कहीं हमें भी खुद को पुनर्रस्थापित करने की आवश्यता होती है जीवन में एक दौर में पहुंचने के बाद एक नयी सोच की आवश्यता होती है और साथ ही एक नया जीवन की आवश्यता होती है ये सुन्दर प्रसंग पर जो बिल्कुल सत्य है जो बाज के साथ घटित होती है विचार जरूर कीजियेगा जब एक पक्षी ऐसा कर सकता है तो क्या इसकी आवश्यता हम इन्सानों को नहीं है।

यह चर्चा गॉडलीवुड स्टूडियो द्वारा पीस ऑफ माइंड चैनल पर चलाये जा रहे समाधान एपिसोड है। लोगों की मांग पर यह प्रकाशित किया जा रहा है। राजयोगी बीके सूरज एक वरिष्ठ राजयोगी है जिससे हजारों लाखों लोगों की जिन्दगी में सकारात्मक बदलाव आया है।

पत्र व्यवहार का पता : समस्या समाधान, शिव आमंत्रण ऑफिस, शांतिवन आबू रोड, राजस्थान, जिला सिरोही फोन : 9414172596 shivamantran@bkivv.org

तरीके जो दिल के दौरे की संम्भावना करेंगे कम

असामान्य थकान: असामान्य और लगातर होने वाली थकान भी हार्ट अटैक के लक्षण हो सकती है। खास तौर पर महिलाओं में यह लक्षण ज्यादा होता है। ऐसा नही की हर बार थकान इसी कारण से हो, पर फिर भी डॉक्टरी सलाह में ही समझदारी है।

चक्कर आना: हार्ट अटैक में कई बार आखों के आगे अंधेरा छा जाता है और बेहोसी भी छा जाती है। लगातार चक्कर आना आर्टरी डिजीज का कारण हो सकता है।

हृदय को स्वस्थ रखने के उपाय: मैक्स स्मार्ट सुपर स्पेशलिटी हॉस्पीटल के चेयरमैन ऑफ कार्डियोलॉजी डॉ. सुमन भडारी के अनुसार आज के तनाव ग्रस्त जीवन में हृदयरोग का खतरा दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है हृदयरोग को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम करना जितना जरूरी होता है उतना ही स्वास्थवर्धक खाना भी जरूरी होता है। हृदय को स्वस्थ रखने के कुछ उपाय हैं जैसे- सुबह नाश्ता अवश्य करें और समय परर लन्च करें नमक का उपयोग कम से कम करें, कम वसा वाले आहार लें, ताजी सब्जीयां और लें, जितने भी रंगीन फल होते हैं वे स्वास्थ के लिए लाभकारी होते हैं, तम्बाकू से दूर रहे खाना बनाने के लिए ऑलिव ऑयल का प्रयोग करें, पर्याप्त नींद लें आज हमारे जीवन मे आधे से ज्यादा समय हमारे कार्यस्थल या ऑफिस में बीतता है। घंण्टों एक ही स्थिति बैठे रहना हृदय के लिए हानिकारक हो सकता है, थोड़ा समय व्यायाम के लिए निकालें। प्रतिदिन कम से कम आधे घण्टे तक व्यायाम करना हृदय के अच्छा होता है। तनाव हृदय के स्वास्थ के लिए हानिकारक होता है तनाव के कारण मष्तिष्क से जो रसायन स्त्रावित होते हैं। वे हृदय की पूरी प्रणाली खराब कर देते हैं। तनाव से उवरने के लिए योग का सहारा लिया जा सकता है।

हैल्दी डाइट: हैल्दी डाइट या स्वस्थ खान पान, आपके दिल को स्वस्थ रखने के साथ-साथ दिल के दौरे की संम्भवना को कम करता है। बस आपको कॉलस्ट्रॉल की मात्रा कम करनी होगी। इसके अलावा अत्यधिक शर्करा और प्रोसेस्ड फूड, जो बाजार में रेडीमेड उपलब्ध होते हैं, उनसे दूरी बनाए रखें। हरी सब्जियों, फलों और सलाद को अपने भोजन में ज्यादा से ज्यादा शामिल करें, तेलिय और मसाले दार भोजन को कम कर दें।

शारिरिक श्रम: फिजिकल बर्क आउट वसा के स्तर को कम करना बेहद जरूरी है इसके अलावा नियमित एक्सासाइज से आपको फिट रखने में मद्द करेगी। हर दिन कम से कम 45 मिनट पैदल जरूर चलें, या फिर साईकिल चलायें। प्रतिदिन 1 घण्टे का समय एक्सरसाइज करने के लिए जरूर निकालें, ताकि वसा का जमाव ना हो पाए।

अल्कोहल ना लें: अगर आप अल्कोहल के आदि हैं तो अपने दिल की खातिर आपको अल्कोहल से दूरी बनानी होगी। इस बात का ख्याल रखें कि अल्कोहल का सेवन आपको मौत की औ ले जाता है।

धूम्रपान: धूम्रपान करने की आदत है तो इसे बिल्कुल त्याग दें। यह फेपड़े और दिल को पूरी तरह प्रभावित करता है, साथ ही अल्कोहल के साथ धूम्रपान बेहद घ्गातक सावित हो सकता है। तनाव से बचें: मानसिक तनाव हार्ट अटैक की संभावना को कई गुना बढ़ा देता है। तनाव लेने से बचें खुद को हमेशा खुश और ऊर्जावान बनाए रखें। तनाव से खुद को दूर रखना चाहिए।

ईश्वर को अर्पण करने से सब सरल हो जाता है

कहानी

मनुष्य का जीवन एक खेल की तरह होता है। उसकी बागडोर हमेशा से ही ईश्वर के हाथ में ही होती है। परन्तु मनुष्य हमेशा उसे अपने ही हाथ में समझकर चलता है जिससे कई प्रकार की समस्यायें यदा-कदा पैदा होती रहती हैं। परन्तु हम सबको यह मालूम होना चाहिए कि प्रकृति और पुरूष पर इंसान का कोई नियंत्रण नहीं हो सकता है। इसलिए जब भी जीवन में कोई कार्य करना हो तसे उसे परमात्मा पर अर्पण कर देना चाहिए। इस बारे में एक कहानी बड़ी मशहूर व सारगर्भित है। इसमें जीवन का संदेश छिपा है। कहते हैं कि एक बार एक गुरू और शिष्य रेगिस्तान से गुजर रहे थे। गुरू अपनी यात्रा के दौरान हर क्षण शिष्य को आस्था जागृत करने के लिए ज्ञान देते रहे थे। गुरुजी शिष्य को कहा करते थे कि अपने समस्त कर्मों को ईश्वर को अर्पित कर दो। हम सभी एक ही ईश्वर की सन्तान हैं, और वह अपने बच्चों को कभी नहीं त्यागते। यात्रा

के दौरान रात हो गई। उन्होंने रेगिस्तान में एक स्थान पर अपना डेरा जमा लिया। गुरू ने शिष्य से कहा-घोड़े को निकट ही एक चट्टान से बांध दो। आदेश सुनकर शिष्य घोड़े को लेकर चट्टान के समीप तक गया। मगर वहां पर उसे दिन में गुरू का दिया गया कोई उपदेश याद आ गया। शिष्य ने सोचा कि हो न हो, गुरू संभवत: मेरी परीक्षा ही ले रहे हैं और मुझे उस पर खरा उतरना होगा। मेरी गहरी आस्था मुझसे कहती है कि ईश्वर खुद ही इस घोड़े का ध्यान रखेंगे। और मुझ पर आंच नहीं आने देंगे। यह विचार करते हुए उसने घोड़े को चट्टान से नहीं बांधा व वहां से चला गया। अगले दिन सुबह जब उसने देखा कि गुरूजी का घोड़ा दूर-दूर तक कहीं भी नजर नहीं आ रहा है तो वह परेशान हो गया। उसने बहुत तलाश की मगर घोड़ा नहीं मिला। आखिरकार थक हार कर वह अपने गुरू के पास पहुंचा। उसने गुरू से जाकर बहुत ही व्यथित होकर कहा-आपको ईश्वर के बारे में कुछ भी नहीं पता, आपने तो कल मुझे बताया था कि हमें सब कुछ ईश्वर के हाथों में सौप कर निश्चिंत हो जाना चाहिए। यही सोचकर मैंने घोड़े की रक्षा का भार ईश्वर पर डाल दिया। लेकिन घोड़ा भाग गया। यह सुनकर गुरूजी बोले-ईश्वर तो वाकई चाहता था कि घोड़ा हमारे पास सुरक्षित रहे। लेकिन जिस समय उसने तुम्हारे हाथों घोड़े को बांधना चाहा, तब तुमने अपने हाथों को ईश्वर को नहीं सौंपा और घोड़े को खुला छोड़ दिया।

आवश्यक सूचना

यह समाचार पत्र कैसा लगा इसके बारे में अपनी प्रतिक्रिया या सुझाव जरूर दें जिससे हम और बेहतर बना सकें।

फोन: 9414172596, 9413384884 ई-मेल: bkkomal@gmail.com

गुजरात ग्लोबल रीट्रिट सेंटर का भूमिपूजन 38 एकड़ जमीन में विविध सुविधा से संपन्न बनेगा रिट्रिट सेंटर

जीवन की हर परिस्थिति में बनाए रखें समभाव : दादी जानकी

शिव आमंत्रण ■ अहमदाबाद

अहमदाबाद से 48 किमी दूरी पर विश्व सेवा के लिए बनने वाले गुजरात ग्लोबल रीट्रिट सेंटर का भूमिपूजन संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी के करकमलों से गुजरात ज़ोन की निदेशिका बीके सरला, युवा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके चंद्रिका, गांधी नगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कैलाश समेत वरिष्ठ भाई बहनों की उपस्थिती में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

इस अवसर पर भव्य कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें राजयोगिनी दादी जानकी, बीके सरला, साईंटिस्ट एंड इंजीनियरिंग विंग के राष्ट्रीय संयोजक बीके मोहन सिंघल, एकाउंट विभाग से बीके ललित, सीए. बीके आनंद, गुजरात ग्लोबल रीट्रिट सेंटर के निदेशक डॉ.मुकेश पटेल, अल्कापुरी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके निरंजना, वलसाड सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रंजन, हिम्मत नगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके चंद्रिका और बीके हंसा ने दीप जलाकर व केक काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

शुभारंभ व सम्मान

गुजरात ग्लोबल रीट्रिट सेंटर का भूमि पूजन करतीं मुख्य प्रशासिका दादी जानकी तथा दादी जानकी के 102वें जन्मोत्सव पर माला पहनाकर सम्मानित करते ब्रह्माकुमारी भाई बहनें।

अत्याधुनिक सुविधा युक्त

साथ ही डॉ. मुकेश पटेल ने बताया कि 38 एकड़ में बनने वाले इस रीट्रिट सेंटर में विशाल ऑडिटोरियम ट्रेनिंग सेंटर, मम्मा और बाबा का कमरा, मेडिटेशन रूम, म्यूजियम, साईलेंस जोन आदि शामिल होगा इसके साथ ही ब्राह्मण परिवार के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से सज्ज कॉलोनी जिसमें गार्डन, चिल्ड्रेन प्ले एरिया, लायब्रेरी, प्रायमरी मेडिकल सुविधा, शॉपिग सेंटर, बैंक, ट्रांसपोर्ट, इंडोर गेम, वॉकिंग पाथ जैसी सुविधाओं से युक्त आवासीय योजना भी तैयार की जाने वाली है।

दादी को दी बधाइयां

इस अवसर पर दादी जानकी ने अपने आशीर्वचन में कहा, गुजरात यज्ञ के नये-नये इन्वेंशन करने में होशियार है। विदेशों में भी सब जगह गुजराती बैठे हुए हैं। आध्यात्मिक ज्ञान हमें यह सिखाता है कि हमें मान-सम्मान, धन की इच्छा न रखकर निन्दा स्तुति, मान-अपमान में समभव बनाये रखना है। सच्चा और सबको सम्मान देने वाला इन्सान ही भगवान के गले का हार बनता है। उन्होंने कहा, गुजरात की सेवाओं का विस्तार देखकर सभी का हृदय गदगद हो रहा है। दादी जानकी के 102वें जन्मोत्सव निमित्त 102 वेरायटी के फूलों के गुलदस्तों से उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के पूर्व बच्चों ने आध्यात्मिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां कार्यक्रम का मंच संचालन बीके नेहा ने किया।

27 फुट का कुंभकरण बना आकर्षण का मुख्य केंद्र

कैथल में आध्यात्मिक मेले का आयोजन

आध्यात्मिक मेले का उद्घाटन करते कृष्ण बेदी।

शिव आमंत्रण ■ कैथल

हरियाणा के कैथल में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की ओर से सात दिवसीय हेल्थ वेल्थ हैप्पीनेस अध्यात्मिक मेले का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी, कांग्रेस के अमेरिका अध्यक्ष चरण सिंह, समाज सेवा प्रभाग के उपाध्यक्ष बीके अमीरचंद, कैथल सर्कल प्रभारी बीके पुष्पा, सिरसा सेवाकेंद्र प्रभारी बीके बिंदू, करनाल से बीके करण राणा ने दीप प्रज्जवलित कर व ध्वजारोहण कर किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजपाल तंवर, जिला अध्यक्ष सुभाष भी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

इस दौरान मुख्य अतिथि कृष्ण बेदी ने कहा कि संस्था द्वारा समाज में जागरूकता लाने के लिए इस मेले का जो आयोजन किया गया है वह सराहनीय है, और मुझसे व हरियाणा सरकार से जो मदद हो सकेगी वो हम करेंगे। साथ ही राजयोगी बीके अमीरचंद ने बताया कि राजयोग के माध्यम से जब हम अपने अंदर छिपे पांच विकारों पर विजय प्राप्त कर लेंगे तो भारत फिर से सरताज बनेगा और इसी के लिए ब्रह्माकुमारीज संस्थान लगातार प्रयासरत है।

इस मेले में विभिन्न प्रकार की प्रदर्शनी, 12 ज्योतिर्लिंगम् दर्शन, अमरनाथ गुफा, मानवता का संपूर्ण इतिहास, शांति अनुभूति कक्ष, स्वास्थ धन खुशी स्टाल, विज्ञान प्रदर्शनी, बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के खेल, 27 फुट का कुंभकरण मुख्य आर्कषण का केंद्र रहा। जिनका मुख्य अतिथि सहित अन्य अतिथियो ने अवलोकन कर मेले की जमकर सराहना की।

वृद्ध जीवन में खुश रहने की कला सीखें

शिव आमंत्रण, सिहोर। जब जीवन का अधिकांश समय लौकिक जिम्मेवारी निभाने में ही बीत जाता है और आप अकेले रह जाते हैं तब आवश्यकता होती है एक ऐसे पुरूषार्थ की जो बचे हुये जीवन का आनंद लेने की कला सिखाये। इसी लक्ष्य को प्राथमिकता देते हुए गुजरात के भावनगर सिहोर में वरिष्ठ लोगों के लिए आर्ट ऑफ लिविंग विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें सिहोर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके गीता ने कहा कि वृद्ध जनों के लिए समय बहुत होता है इसलिये ज्यादा से ज्यादा परमपिता शिव परमात्मा को याद करना चाहिये एवं सर्व के प्रति शुभकामना शुभभावना रखनी चाहिए। इसके साथ ही डॉ. धर्मेश ने वृद्ध जीवन में खुश रहने की कला बताते हुये कहा कि वृद्ध जन को आवश्यकता है हर बात में कल्याण की भावना रखने व बीती बातों को बिंदी लगाने की।

आर्ट ऑफ लिविंग कार्यशाला में उपस्थित वरिष्ठ लोग।

अंतर्मुखी बनेंगे तो सुखशांति मिलेगी

रांची के महोत्सव में बीके गीता के विचार

शिव आमंत्रण ■ रांची

बीके गीता का सम्मान करती राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू।

झारखंड के रांची में हरमू रोड सेवाकेंद्र द्वारा हरमू मैदान में चार दिवसीय 'अदभुत गीता ज्ञान रहस्य तथा मानव मन रूपी कुरूक्षेत्र में चल रहे द्वंद का समाधान' विषय पर महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू, महापौर आशा लकड़ा, रांची विश्वविद्यालय की प्रतिकुलपति डॉ. कामिनी, कृषि निदेशक जटाशंकर चौधरी, डी.ए.वी स्कूल की प्राचार्या डॉ. तनुजा पानीग्राही, सीए. मनीश जैन, अतिरिक्त महाधिवक्ता डॉ. विनीता सिन्हा, माउंट आबू से आयी वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका व गीता विशेषज्ञ बीके उषा, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके निर्मला समेत अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित हुए।

जीवन में शांति व सुख पाने के लिए आज मनुष्य ने घर, गाड़ी, ऐशो-आराम के सब साधन जुटा लिए हैं, फिर भी इसे प्राप्त नहीं कर पा रहा है, क्योंकि ये सब साधन सुविधा के लिए हैं, लेकिन सुख व शांति के लिए मनुष्य को अंतर्मुखी बनना पड़ेगा, तब सच्चे सुख व शांति की अनुभूति होगी।

चार दिवसीय महोत्सव के दौरान अनेकों सत्रों का आयोजन किया गया जिसमें बीके उषा ने गीता में वर्णित महाभारत को आज की सामाजिक स्थिति से भेंट करते हुए बताया कि आज समाज के अंदर हर मोड़ पर एक शकुनी बैठा हुआ है जो घर-घर में आग लगा रहा है, ऐसी स्थिति का समाधान गीता में वर्णित है।

साथ ही बीके निर्मला ने कहा कि आज मनुष्य कहते हैं कि गीता माता है परन्तु वे यह नहीं जानते कि गीतापति भगवान कौन है? वे भूल गये हैं कि गीता तो श्रीकृष्ण की माता है और सभी आत्माओं का अविनाशी पिता निराकार शिव है। वहीं महोत्सव में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से नन्हें कलाकारों ने अतिथियों तथा मौजूद हजारों लोगों का मन मोह लिया। साथ ही बीके उषा ने सभी को कॉमेंट्री द्वारा राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास भी कराया। सभी अतिथियों को इस अवसर पर ईश्वरीय सौगात भेंटकर सम्मानित किया गया।

प्रधानमंत्री ने की सिख गुरुओं के त्याग और बलिदान की सराहना

शिव आमंत्रण, बोधगया। बिहार के बोधगया में श्री गुरू गोविंद सिंह की ३५० वीं जयंती पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें भारत तथा ५० देशों से ५ लाख लोग उपस्थित हुए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के इतिहास में सिक्ख गुरूओं ने जो त्याग किया उनकी भूमिका की सराहना की। इसी दौरान ब्रह्माकुमारीज से बीके बिन्नी ने दलाई लामा व यूके में सिक्ख धर्म के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर दादी जानकी द्वारा भेजी शुभकामनाएं दी और संस्था के ८० वर्ष पूर्ण होने पर मुख्यालय माउंट आबू में आयोजित होने वाले समारोह में आमंत्रित किया।

दलाई लामा को ईश्वरीय आमंत्रण देतीं बीके बिन्नी।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पटना स्थित उनके आवास संकल्प कार्यालय में परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती, अहिंसा विश्व भारती के अध्यक्ष डॉ. लोकेश मुनि, बिहार के राज्यपाल रामनाथ कोविंद, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव से भी बीके बिन्नी ने मुलाकात की। उन्हें भी बीके बिन्नी ने संस्था के ८० वर्ष पूर्ण होने पर मुख्यालय माउंट आबू में आयोजित होने वाले समारोह में आमंत्रित किया।

लातूर के ग्रामीण परिसर में स्वास्थ्य जांच शिविर

कैनरा बैंक व लातूर सेवाकेंद्र का संयुक्त उपक्रम

शिव आमंत्रण, लातूर। महाराष्ट्र के लातूर में सीएसआर प्रोजेक्ट के अंतर्गत कैनरा बैंक व लातूर सेवाकेंद्र के संयुक्त तत्वाधान में ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ शिविर व डी एडिक्शन आरोग्य पखवाड़े का आयोजन किया गया। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के साकार संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस शिविर का शुभारंभ राजयोग भवन में किया गया।

आज सरकार ने अच्छे स्वास्थ के लिए हर एक गांव में प्राथमिक आरोग्य केंद्र खोल रखें हैं लेकिन लोगो में अच्छे स्वास्थ के प्रति जाग्रति लाना अति आवश्यक है इसे ध्यान में रखते ब्रह्माकुमारीज़ ने डी एडीक्शन कैंपो, स्वास्थ शिविर कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसका शुभारंभ लातूर सेवाकेंद्र में जेष्ठ नागरिक संघ के अध्यक्ष डॉ.डी. आर.पाटिल, सीनियर सिटीजन डॉ. मनपाड़े, पतंजलि योग के शिक्षक मुंडे, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके नंदा समेत अनेक गणमान्य लोगों ने दीप जलाकर किया।

शुभारंभ अवसर पर बीके नंदा ने कहा कि विश्व परिवर्तन तभी होगा जब हम स्वयं का परिवर्तन करेंगे, साथ ही डॉ. डी. आर पाटिल ने बताया कि दूसरों को न देख, अपने आप को देखना है कि मैं समाज में शांति स्थापन करने में क्या मदद कर रहा हूं। बीके नंदा व बीके पुण्या के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में डॉ.चंद्रशेखर, डॉ.बालाजी गाडेकर, डॉ. ममता जोशी, डॉ. ऐश्वर्या करमुडे, डॉ. चंद्रकांत रणदिवे, डॉ. शेताली शाह समेत कई डॉक्टरों की टीम ने छात्रों के दांतो की जांच की साथ ही अपने शरीर का ध्यान रखने की ट्रेनिंग कराके इस सामाजिक कार्य को सफल बनाने का प्रयास किया। बीके नंदा को स्कूल के प्राधानाध्यापक ने शॉल ओढ़ाकर सम्मानित भी किया।

साथ ही डी-एडिक्शन प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ विशिष्ट अतिथि ने रिबन काटकर किया। वहीं प्रदर्शनी में संस्था के सदस्यों ने स्लोगन बोर्ड व चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को व्यसन मुक्ति के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया।

यह ज्ञान जीवन श्रेष्ठ बनाएगा

अध्यात्मिक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते परशुराम मीणा।

शिव आमंत्रण, भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर जिले के रूपवास गांव में नगर पालिका द्वारा दस दिवसीय बसन्त पशु मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें ब्रह्माकुमारीज़ के स्थानीय सेवाकेंद्र द्वारा अध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी, ग्रामोत्थान प्रदर्शनी तथा चैतन्य देवियों की झांकी लगाई गई।

मेला मैदान में आयोजित प्रदर्शनी का शुभारंभ उपखण्ड अधिकारी परशुराम मीणा, बीएसओ दीपा मीना, ई.ओ. कुंदनलाल देथा, भरतपुर सेवाकेंद्र की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके बबीता ने दीप जलाकर व रिबन काटकर किया।

मुख्य अतिथि रूपवास के उपखण्ड अधिकारी परशुराम मीणा ने बताया कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा दिया जा रहा ज्ञान प्रत्येक व्यक्ति के लिए महत्वपूर्ण है। इसे जीवन में अपनाकर जीवन श्रेष्ठ बना सकते है, दिव्य शक्तियां प्राप्त कर सकते है।

बीके बबीता ने कहा कि नैतिक एवं अध्यात्मिक मूल्यों के द्वारा हम अपने गांव का विकास कर सकते हैं। खुद श्रेष्ठ बनेंगे तो दुसरे को बताना और उसको आगे बढाना भी आसान होगा।

स्थूल खेती के साथ-साथ कर्मों की खेती पर भी उन्होंने ध्यान खिंचवाया।

दिव्य कन्याओं ने सुनाई आठवें अजूबे की गाथा

शिव आमंत्रण, आबू रोड। आबू रोड के शांतिवन में इंदौर के दिव्य जीवन कन्या छात्रावास जो कि शक्ति निकेतन के नाम से भी जाना जाता है वहां की प्रतिभावान कुमारियों द्वारा आनंद सरगम नामक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिव्य जीवन कन्या छात्रावास कुदरत का वो बेशकीमती तोहफा है जहां पर पालना लेने के बाद साधारण कुमारी भी देवकन्या बन जाती है। भारत के सभी प्रांतों से आयी कुमारियों को आध्यात्मिक ज्ञान, राजयोग और बाह्य कलाओं से इस कदर तराशा जाता है मानो खुदा ने स्वयं अपने हाथों से संवारा हो और ऐसे में इन खास कुमारियों ने जब शांतिवन के डायमंड हॉल में अपनी प्रस्तुति दी तो सभा में बैठे लोग खुशी और आनंद के साथ भावुकता से भी भर उठे। क्योंकि दिव्य कन्याओं ने एक ओर जहां दुनिया का आठवां अजूबा मधुबन के पावन भूमि की गाथा सुनाई वहीं दूसरी ओर इंदौर जोन के पूर्व निदेशक बीके ओम प्रकाश भाई जी के महान व्यक्तित्व और संपूर्ण जीवन पर भी रोशनी डाली।

बीके भगवान के शाहीन गर्ल्स कॉलेज में व्यक्त विचार

नकारात्मक विचार ही सभी दुखों का मूल कारण

शिव आमंत्रण, बीदर। कर्नाटक के बीदर में स्थानीय सेवाकेंद्र द्वारा शाहीन गर्ल्स कॉलेज और शाहीन स्कूल में माउण्ट आबू से आए बीके भगवान के नैतिक मूल्य और सकारात्मक चिंतन विषय पर कार्यक्रम हुए। उन्होंने कहा कि मन में चलने वाले नकारात्मक विचार, शंका, कुशंका, ईर्ष्या, घृणा, नफरत और अभिमान के कारण ही क्रोध अनेक वर्षों तक पश्चाताप का कारण बन जाता है। क्रोध के कारण आपसी मनमुटाव, संबंधों में रूखापन, मानसिक व शारीरिक अनेक बीमारियां होती जा रही है।

बीके भगवान ने अपराधों और व्यसनों का कारण क्रोध को बताते हुए कहा कि वास्तव में क्रोध ही मानव का दुश्मन है। क्रोध करने से घर के पानी के मटके भी सूख जाते हैं, घर में कोई बरकत नहीं होती और उस घर में सुख-शांति भी नहीं होगी। सकारात्मक चिन्तन से जीवन की समस्याओं का भी समाधान हो जाता है। उन्होंने बताया कि सकारात्मक चिंतन से सहनशीलता आती है और हर विपरीत परिस्थिति में सकारात्मक दृष्टिकोण के कारण तनावमुक्त रह सकते हैं। उन्होने आध्यात्मिक ज्ञान को सकारात्मक विचारों का स्त्रोत बताते हुए कहा कि स्वयं को व पिता परमात्मा को तथा अपने जीवन के असली उद्देश्य को जानना ही वास्तविक आध्यत्मिकता है।

बीदर के गर्ल्स कॉलेज में बोलते हुए बीके भगवान।

आध्यात्मिक ज्ञान द्वारा समस्या समाधान में बदल जाती है। आध्यात्मिक ज्ञान द्वारा ही आपसी भाईचारा, स्नेह पैदा होकर बुराई में भी अच्छाई देखने की आदत बन जाती है जिससे हम क्रोध मुक्त, तनावमुक्त बन सकते हैं। स्थानीय ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र की प्रभारी बीके प्रतिभा ने उद्बोधन देते हुए कहा कि क्रोध मूर्खता से प्रारंभ होता है और पश्चाताप से खत्म होता है। क्रोध मुक्त बनने हेतु हम रोजाना ईश्वर का चिंतन व गुणगान कर आत्मबल, मनोबल को मजबूत बनाकर क्रोध मुक्त, तनाव मुक्त बन सकते हैं।

खास खबरें

गया में मानव श्रृंखला अभियान

परमात्म अवतरण का संदेश देने के लिए निकाली गई रैली।

शिव आमंत्रण, गया। बिहार के गया में ए.पी.कॉलोनी सेवाकेंद्र द्वारा सर्व मुक्ति पर मानव श्रृंखला अभियान का आयोजन किया गया। जिसमें सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुनीता, बीके प्रतिमा, बीके धर्मवीर समेत संस्था के सदस्यों ने रैली निकालकर परमात्मा के दिव्य अवतरण का संदेश दिया।

समाज भूषण पुरस्कार से बीके कुंदा सम्मानित

बीके कुंदा को पुरस्कार से सम्मानित करते अतिथि।

शिव आमंत्रण, चंद्रपुर। महाराष्ट्र में चंद्रपुर के वणी में संताजी महिला विचार मंच वणी द्वारा संताजी सभागृह में महिला सशक्तिकरण के लिए एक आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बीके कुंदा ने सभी को ईश्वरीय ज्ञान देते हुए कहा कि जीवन में हर कर्म करते हुए परमात्मा को याद करना चाहिए। कार्यक्रम में संताजी महिला विचार मंच वणी की अध्यक्षा रंजना येरने, उपाध्यक्षा भूमि निमकर, सचीव अल्का पडोले आदि ने बीके कुंदा को समाजभुषण पुरस्कार से सम्मानित किया। अंत में बीके बहनों ने अतिथियों को ईश्वरीय सौगात भेंट की।

मेला रामनगरिया में चरित्र निर्माण प्रदर्शनी

शिव आमंत्रण, फर्रूखाबाद। माघ मेले के निमित्त श्री रामनगरिया पांचालघाट, फर्रुखाबाद में आयोजित चरित्र निर्माण प्रदर्शनी पण्डाल का उद्घाटन करते श्री श्री 1008 जयदेवानंद सरस्वती(हरिद्वार), श्री श्री 1008 शिवानन्द दण्डी, बीके मंजू, डॉ. अनिता सूद, सन्त पप्पन मियां सूफी, सदाकत हुसैन इमाम, हिमालय सिंह प्रधान, अरूण प्रकाश तिवारी (दद्दुआ), बीके सुरेश तथा अन्य भाई-बहनें। इस अवसर पर जयदेवानंद सरस्वती ने कहा कि मन की शक्ति द्वारा शांति की किरणें सम्पूर्ण विश्व में फैलाने का श्रेष्ठ कर्तव्य करें।

प्रेम एवं आत्मसंतुष्टि से रहो : बीके सुजाता

शिव आमंत्रण, इंदौर। इंदौर के कुष्ठधाम में श्री वैष्णव विद्यापीठ स्कूल द्वारा अन्न दान व वस्त्र दान का कार्यक्रम आयोजित कर ब्रह्माकुमारीज को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर वेंकटेश नगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुजाता ने कहा कि हम सभी पिता परमात्मा के बच्चे हैं इसलिए हमें आपस में प्रेम से एवं संतुष्ट रहकर जीवन में संतुष्टता लानी है। वहीं श्री वैष्णव विद्यापीठ स्कूल के निदेशक एस डी वैष्णव ने कहा कि जीवन आनंद व खुशी के लिए मिला है न की रोने के लिए इसलिए जीवन में जो प्राप्त हो उसे पाकर संतुष्ट रहना चाहिए। कार्यक्रम में वेंकटेश नगर सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके सुजाता सहित अन्य बीके भाई-बहने भी सम्मिलित हुए। बीके सुजाता सहित सभी बच्चों द्वारा बड़ी संख्या में कुष्ठधाम के सभी सदस्यों को अन्न दान एवं वस्त्र दान किया गया।

लेह लद्दाख के बच्चों को रिट्रीट

गीत की तान पर झूमते महाबोधी स्कूल के बच्चे।

शिव आमंत्रण, गुरूग्राम। गुरूग्राम स्थित ओम्शांति रिट्रीट सेंटर में आयोजित 3 दिवसीय रिट्रीट में लेह लद्दाख के महाबोधी रेसिडेंशियल स्कूल के 40 बच्चों ने भाग लिया। रिट्रीट में राजयोग शिक्षिका बीके फाल्गुनी ने सभी को सेल्फ डेवेलपमेंट विषय पर कार्यशाला कराई। साथ ही डांस समेत अनेक गतिविधियां भी कराई।

बीके स्वागतिका को बेस्ट ग्रेजुएट अवॉर्ड

स्वागतिका को अवॉर्ड प्रदान करती राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू।

शिव आमंत्रण, भुवनेश्वर। ओड़िशा के भुवनेश्वर में रामादेवी वूमेंस यूनिवर्सिटी के ओल्ड स्टूडेंट एसोसिएशन की सिल्वर जुबली समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें झारखंड की राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू, यूनिवर्सिटी की वाईस चांसलर डॉ.पद्मजा मिश्रा, पूर्व प्राचार्या प्रोफेसर सुषमा तेज समेत अनेक विशिष्ट अतिथि मौजूद थे। रामादेवी वूमेंस यूनिवर्सिटी के ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में राज्यपाल ने उत्कल यूनिवर्सिटी की साइकोलॉजी की विद्यार्थी बीके स्वागतिका साहू को बेस्ट ग्रेजुएट अवॉर्ड से सम्मानित किया। बीके स्वागतिका ब्रह्माकुमारीज के यूनिट-8 सेवाकेंद्र से काफी लम्बे समय से जुड़ी हुई हैं और अपनी सफलता के लिए उन्होंने परमात्मा शिव का धन्यवाद किया।

पेज- 1 का शेष.....सर्व ज्ञानों में बढ़कर है आध्यात्मिक ज्ञान.....

.....जिसके कारण उन्नति साथ-साथ होती है, श्रेष्ठता स्वाभाविक रूप से आती है। साथ ही बीके ब्रजमोहन ने दुनिया में विश्वबंधुत्व की भावना जाग्रत करने के लिए शारीरिक रूप से नहीं बल्कि आत्मिक रूप से देखने की बात कही। बीके शारदा ने सभी को संस्थान के द्वारा 80 वर्षों में तय किये गये सफर से सभी को अवगत कराया।

इसी श्रृंखला में सायंकाल में भी अनेक धर्मों के प्रतिनिधि विश्व बंधुत्व की भावना को बढ़ाने के लिए कार्यक्रम में सम्मिलित हुए, जिसमें प्रमुख रूप से यहूदी धर्म के प्रमुख इसहाक मालेकर, समाज सुधारक व राजनेता स्वामी अग्निवेश, केंद्रीय जांच ब्यूरो के पूर्व विशेष निदेशक डीआर. कार्तिकेयन शामिल थे। उन्होंने भी सभी के सम्मुख विचार रखें। अंत में बीके आशा ने बताया कि विश्व में नारा ब्रदरहुड का है, लेकिन प्रैक्टिकल में बॉर्डर हुड है, जिसे समाप्त करने के लिए आत्मिक दृष्टी अति आवश्यक है।

दिखा अपूर्व उत्साह ▶ घाटकोपर में कार्यक्रम, 11 से 60 वर्ष तक की महिलाओं ने भी हिस्सा लिया

'सखी मिनिथॉन' में 3000 महिलाओं ने दिखाया उत्साह

शिव आमंत्रण ■ घाटकोपर

ब्रह्माकुमारीज के घाटकोपर सबजोन द्वारा समाज में महिलाओं की गरिमा व घाटकोपर सबजोन प्रभारी बीके नलिनी के ७५वें सालगिराह के उपलक्ष्य में 'सखी मिनिथॉन' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मशहूर टीव्ही कलाकार शरद मल्होत्रा, एनक्रे. डाबर केंसर फाउंडेशन के ट्रस्टी खुर्शीद मिस्त्री, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य प्रबंधक बलीराम नाखवा, एल. डी ग्रुप के निदेशक ललित धर्मानी, ज़ी न्यूज़ तास की एंकर भावना मुंजाल, घाटकोपर सबज़ोन प्रभारी बीके नलिनी और बीके निकुंज समेत अन्य कई प्रतिष्ठित लोगों ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। घाटकोपर आचार्य अत्रे स्पोर्ट्स ग्राउण्ड में आयोजित इस मिनिथॉन को उपस्थित विशिष्ट अतिथियों ने गुब्बारे उड़ाकर तथा कई प्रकार के ध्वज फहराकर रवाना किया। मिनिथॉन आचार्य अत्रे ग्राउंड से शुरू हुआ और पंतनगर, घाटकोपर मार्ग से नाथ पै नगर पहुंचा। स्वास्थ्य गुरू मिकी मेहता ने स्वस्थ जीवनशैली से सबको अवगत कराया। ४ किलोमीटर तय की गई इस मिनिथॉन में ११ से ६० वर्ष तक की उम्र की ३००० महिलाओं ने हिस्सा लिया, जिसमें से विजेताओं को ट्रॉफी, ताज तथा सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया। वर्षा भवरी, सोनिया मोकाल, माधुरी देशमुख ने मिनिथॉन में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस दौरान बीके नलिनी ने अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर व ईश्वरीय सौगात भेंटकर सम्मानित किया।

ब्रह्माकुमारीज के घाटकोपर सबजोन द्वारा आयोजित मिनिथॉन में कुछ यूं उल्लासित मुद्रा में शामिल हुईं युवतियां व महिलाएं।

सड़क सुरक्षा जागृति के लिए बनाई पांच किलोमीटर लम्बी मानव श्रृंखला

शिव आमंत्रण, बोरीवली। 'तुम चलो तो हिंदुस्तान चले' इसी स्लोगन को लेकर चलने वाले ब्रह्माकुमारीज संस्थान के बोरीवली सेवाकेंद्र ने सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए मानव श्रृंखला का आयोजन क्या किया कि बस उनकी मदद के लिए मुंबई के तीस स्कूल, 21 कॉलेज, 20 गैर सरकारी संगठन, फायर ब्रिगेड समेत टीवी आर्टिस्ट अनस रसीद, अली खान, अरूण कदम, विश्व प्रसिद्ध विस्लर निखिल राणे, समाज सेवक अभिषेक राणे, एसीपी. रामचंद्र धावाले आगे बढ़ आये और सभी के दिल से यही आवाज निकली कि ब्रह्माकुमारीज आप आगे बढ़िए हम आपके साथ हैं। यह मानव श्रृंखला सिंफोली बोरीवली से पाटकर कॉलेज गोरेगांव तक लंबी थी जिसका फासला 5 कि.मी. है। इस श्रृंखला में सभी ने स्लोगन, कैंप व नारे के जरिए लोगों को सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने का संदेश दिया। जोश से भरपूर भाई-बहनों का यह दृश्य बहुत ही अनोखा दिखाई दे रहा था। मानव श्रृंखला के पश्चात् बोरीवली सेवाकेंद्र पर पब्लिक प्रोग्राम का भी आयोजन किया गया। जिसमें अतिथियों ने ब्रह्माकुमारीज के सहयोगी बनने व सेवाकेंद्र का अवलोकन करने पर हुए अपने अनुभवों को सभी के साथ साझा किया। साथ ही यातायात व परिवहन विभाग की उपाध्यक्ष बीके दिव्यप्रभा ने सड़क दुर्घटना का मन की स्थिति के साथ कितना गहरा संबंध है यह बताया और शारीरिक व मानसिक स्थिति अच्छी रखने में आध्यात्मिकता कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है इसका भी विश्लेषण किया।

अमरावती में नया उप सेवा केन्द्र

शिव आमंत्रण ■ अमरावती

विश्व की सभी आत्माओं को परमात्मा पिता का सही परिचय देने व अज्ञान अंधेरे में भटकती हुई आत्माओं को स्थाई ठिकाना देने के लिये एक ऐसे समर्पित भवन की आवश्यकता होती है जहॉ पर लोग कुछ समय के लिये गहन शांति का अनुभव कर सकें एवं अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाएं। इसी आवश्यकता की पूर्ति हेतु महाराष्ट्र के अमरावती में नये उपसेवाकेंद्र इंद्रप्रस्थ भवन का निर्माण हुआ। भवन का उद्घाटन पीस ऑफ माइंड चैनल पर समाधान कार्यक्रम करने वाले बीके सूरज के कर कमलों से संपन्न हुआ। इस दौरान उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि आने वाला समय ऐसा होगा कि लोग स्वत: ही पवित्रता को अपनाने लगेंगे। इसके साथ ही उन्होंने श्रेष्ठ पुरूषार्थ की विधि बताते हुये निरंतर परमात्मा पिता की याद से सर्व शक्तियां लेने की बात कही। गणेश कॉलोनी में निर्मित इस उपसेवाकेंद्र में बीके राजेश ने सभी ब्रह्मावत्सों की ओर से बीके सूरज का धन्यवाद किया। इस अवसर पर अमरावती सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सीता ने ईश्वरीय सौगात देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में उक्त उपसेवाकेंद्र का निर्माण करने वाले इंजीनियर निखिल मालाणी, बीके गीता, बीके इंद्रा एवं स्थानीय पार्षद रवि भाउ राणा सहित संस्था के सदस्य शामिल थे।

उपसेवाकेंद्र का उद्घाटन करते बीके सूरज व अन्य अतिथि।

राजयोगी बीके विजय को मिला जींद शिरोमणि सम्मान

शिव आमंत्रण, जींद। जिन बच्चों के दिल में बचपन से ही छिद्र होता है और जो गरीब एवं असहाय है उनका निःशुल्क ऑपरेशन कराने वाली हरियाणा के जींद की प्रसिद्ध समाज सेवी संस्था सृष्टि फाउंडेशन ने ब्रह्माकुमारीज के जींद सर्कल में 45 वर्षों से समाज में मनुष्य मात्र के जीवन में चरित्र निर्माण व सुख, शांति के लिए ईश्वरीय सेवा देने वाले वरिष्ठ राजयोग शिक्षक बीके विजय को 'जींद शिरोमणि सम्मान' से सम्मानित किया।

इस दौरान बीके विजय ने ब्रह्माकुमारीज संस्था के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह विश्व विद्यालय लोगों के दिलों को जोड़ने व शांति लाने के प्रयासों में अग्रसर है, और कहा कि प्रत्येक मनुष्य के पास अपार संकल्प शक्ति है, वह उन संकल्पो में से जितने संकल्प श्रेष्ठ कार्य में लगाता है, वह भविष्य के लिए उसकी जमापूंजी है।

पुरस्कार प्राप्त करते बीके विजय और बीके बहनें।

खुशियों के पल

झारखंड की राज्यपाल ने किया राजयोग भवन का उद्घाटन

राजयोग भवन का उद्घाटन करती राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू।

शिव आमंत्रण ■ बोकारो

बोकारो में मानव के आन्तरिक विकास के लिए एक और केन्द्र खुल गया है जहॉं लोग अपनी समस्याओं का राजयोग के जरिये समाधान कर सकेंगे। इस नवनिर्मित राजयोग भवन का उद्घाटन करने झारखंड की राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू का बोकारो में आगमन हुआ।.द्रौपदी मुर्मू ने अपने करकमलों से अनावरण कर व रिबन काटकर राजयोग भवन और पीस हॉल का उद्घाटन किया।

इस पावन अवसर पर १३ कुमारियों ने अपने आप को ईश्वरीय सेवा में सहयोग देने के लिए तन, मन, धन से अपने आपको समर्पित कर दिया जिन्हें राज्यपाल ने अपनी शुभकामनाएं भी दी। साथ ही दिव्यांग बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर बोकारो के डी. सी.राय महिपत रे, एसपी.वाई. एस.रमेश, संस्थान के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, माउंट आबू से वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके शीलू, मुजफ्फरपुर सबजोन प्रभारी बीके रानी, बोकारो सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कुसुम मुख्य रूप से उपस्थित थीं।

अंत में बीके रानी ने राज्यपाल को ईश्वरीय सौगात देकर कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए धन्यवाद दिया।

सूफी फेस्टिवल में बीके योगिनी सम्मानित

शिव आमंत्रण, अजमेर। अजमेर शरीफ दरगाह में सूफी फेस्टिवल के समापन समारोह के अवसर पर धोलाभाटा सेवाकेंद्र की राजयोग शिक्षिका व मीडिया प्रभाग की कार्यकारी सदस्य बीके योगिनी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। बीके योगिनी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अल्लाह नूरे खुदा है जिसे सभी धर्मों के लोग ज्योतिर्बिन्दू के रूप में स्वीकार करते हैं। इस समारोह में अंजुमन समिति के सीनियर खादिम किब्रिया ने बीके योगिनी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

बीके बहनों को मिली ट्रॉफी

बहनों को ट्रॉफी प्रदान करते अतिथि।

शिव आमंत्रण, भिवंडी। मुंबई भिवंडी के सोनाले में साईं सेवा प्रतिष्ठान सामाजिक संस्थान द्वारा 4 दिवसीय अग्री महोत्सव का आयोजन किया गया। इस महोत्सव में ब्रहाकुमारीज को भी आमंत्रित किया गया। जिसमें सदस्यों द्वारा तैयार किया गया डी एडिक्शन ड्रामा लोगों के सामने प्रस्तुत किया गया ताकि लोगों में तेजी से बढ़ रहे नशे की आदत से उन्हें छुटकारा मिल सके व नशे से होने वाले दुष्प्रभाव को भलीभांति जानकर उसे छोड़ने का प्रयास करें। इस अवसर पर राजयोग शिक्षिका बीके दीपा और बीके गौतमी ने उपस्थित लोगों को व्यसनों से मुक्त बनने के लिए राजयोग को संजीवनी बूटी के समान कारगर बताया। अंत में सभी विशिष्ट लोगों ने इस नाटक की सराहना की और बीके बहनों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही उपस्थित लोगों ने नशामुक्त बनने का संकल्प भी लिया।

सोमनाथ वडनेरे को उत्कृष्ट पत्रकार पुरस्कार

शिव आमंत्रण, जलगांव। मराठी प्रथम समाचार पत्र दर्पण के आद्य पत्रकार बालशास्त्री जांभेकर के जयंती दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में जलगांव जिला पत्रकार संघ द्वारा सन् 2016 में डॉ. सोमनाथ वडनेरे को राज्यस्तरीय विभिन्न समाचार पत्रों में न्यू मीडिया टेक्नोलॉजी, नशामुक्ति, पर्यावरण रक्षा, बेटी बचाव तथा अन्य सामाजिक विषय पर प्रभावी लेखन के लिए उत्कृष्ट पत्रकार सन्मान 2016 से नवाजा गया। डॉ.सोमनाथ वडनेरे उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्याल य, जलगांव में सेवा देने के साथ ब्रह्माकुमारीज़ के मीडिया विंग में समन्वयक के रूप में भी अपनी अथक सेवाएं देते रहते हैं।

बारानगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके किरण सम्मानित

शिव आमंत्रण, कोलकाता। कमरहट्टी में वेलफेयर सोसाइटी द्वारा 11 दिवसीय विवेक उत्सव मेले का आयोजन किया गया, जिसमें यूनिवर्सल टुथ वेलफेयर सोसाइटी के मृणाल सरकार, पार्षद विमल शाह व साथी शाह ने बारानगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके किरण को स्वस्थ व स्वच्छ समाज निर्माण में की जा रही सेवाओं के लिए सम्मानित किया।

11 दिवसीय मेले में ब्रह्माकुमारीज़ के बारानगर सेवाकेंद्र ने प्रदर्शनी लगाई, जिसका पूर्व मंत्री मदन मित्रा, बंगाली गीत गायिका लोपामुद्रा, पार्षद गोपाल शाह ने मुख्य रूप से अवलोकन किया। जिन्हें राजयोग शिक्षिका बीके पिंकी ने स्वयं की व परमात्मा की पहचान दी, साथ ही संस्था की गतिविधियों से अवगत भी कराया। अंत में अतिथियों को ईश्वरीय सौगात भेंट की।

उद्योग प्रभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त विचार

निश्चिंतता ही व्यापार में उन्नति का आधार

शिव आमंत्रण, जोधपुर। जोधपुर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सेवा केंद्र पर व्यापार और उद्योग प्रभाग द्वारा आध्यात्मिक शक्तियों द्वारा आंतरिक शक्तियों का विकास विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर बीके गीता ने कहा जबसे भारत सरकार ने उद्योग में ग्लोबलायजेशन लाया है तब से हमारे सामने अनेक प्रकार की चुनौतियां आयी है। अगर हमारे प्रोडक्ट में कुछ स्पेशालिटी नहीं है तो आज के इस ग्लोबलायजेशन में स्वयं को टिका पाना मुश्किल है। हमें आज के तनावपूर्ण समय में स्वयं को सुरक्षित रखना होगा यह हमें आध्यात्मिक शक्ति द्वारा ही प्राप्त हो सकती है।

कार्यक्रम में बोलते अतिथि।

बीके राजसिंह ने तनाव घटाओ व्यापार बढ़ाओ विषय पर अपना वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि तनाव हमारे मन में उपजी एक कमजोरी है। और जब हम अपना मन परम सत्ता से जोड़ते हैं तो हमारा मन शांत हो जाता है।

निर्मल भंडारी ने बताया कि, मैने आज के कार्यक्रम से बहुत कुछ सीख लिया है, अब मैं अपने सभी काम शांति से करूंगा। इन्सान आज पैसे के पीछे भाग रहा है लेकिन सच्चा सुख सभी के साथ रहकर ही मिल सकता है।

सुरेश राठी ने बताया कि, जीवन में सच्चा सुख केवल धन से नहीं मिलता बल्कि आपसी संबंधो में प्रेमभाव हो तभी मिल सकता है। कार्यक्रम का उद्घाटन बीके गीता (हेड क्वार्टर को-ऑर्डिनेटर बिजनेस एण्ड इंडस्ट्री विंग), विंग के फैकल्टी मेंबर राजसिंह, तिनसुखिया आसाम के रामावतार, उम्मेद क्लब अध्यक्ष निर्मल भंडारी, शेयर ब्रोकर सुरेश राठी, सरदारपुरा सेवाकेंद्र प्रभारी बीके फूल, चौपासनी हाऊसिंग बोर्ड की बीके शील, बीएल माहेश्वरी आदी ने दीप जलाकर किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में व्यापारियों ने भाग लिया।

प्रकाशक एवं मुद्रक: ब्र.कु. करुणा द्वारा प्रकाशित एवं डीबी सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित। Posted at Shantivan P.O. Dt. 18 to 20 of Each Month

सलाहकार संपादक: प्रो. कमल दीक्षित **संपादक:** ब्र.कु. कोमल, **संयुक्त संपादक:** ब्र.कु. पुष्पेन्द्र। **आरएनआई नंबर: आरजेएचआईएन/ 2013/53539**

पत्र व्यवहार का पता

अंतर्राष्ट्रीय /राष्ट्रीय समाचार

लॉस एंजलिस में सर्व धर्म प्रार्थना

सर्व धर्म प्रार्थना समारोह में शामिल विविध धर्मों के नेता।

शिव आमंत्रण, लॉस एंजलिस। यूएसए के लॉस एंजलिस में विश्व शांति के लिए प्रार्थना समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें ब्रह्माकुमारीज़ से बीके गीता समेत दक्षिणी और उत्तरी बौद्ध , कैथोलिक, ईसाई, हिंदू व इस्लाम धर्म के नेताओं को आमंत्रित किया गया, जिसमें तीन सौ से अधिक लोगों ने भाग लिया।एचएसआई लाइ मंदिर में आयोजित इस प्रार्थना समारोह में यहूदी , मार्मन ,हिंदु और इस्लाम धर्म के सभी नेताओं ने विष्व शांति एवं सदभाव के लिये प्रार्थना की। समारोह में लाई मंदिर के मुखिया मास्टर हाइडोंग ने विष्व शांति के लिये की गई प्रार्थना का महत्व बताया। साथ ही सभी नेताओं ने प्रार्थना, ध्यान एवं प्रवचन द्वारा अपने विचार व्यक्त करते हुये कार्यक्रम की सराहना की। इस अवसरपर बीके गीता ने कहा कि वास्तव में प्रकृति और आत्मा का धर्म शांत है इसलिये हमें अपने मन में सबके प्रति अच्छे विचारों के बीज बोना चाहिये। साथ ही राजयोग मेडिटेशन कराया जिसके द्वारा सभी ने अपने आप को हल्का महसूस किया। अंत में कई लोगों ने बीके से मुलाकात कर मेडिटेशन के दौरान हुए सुंदर अनुभवों को बताते हुए कहा कि हमने पहले कभी ऐसा महसूस नहीं किया।

सभी धर्मों के लोग एक मंच से करें मूल्यों का विकास

इटली ब्रह्माकुमारीज की को-ऑर्डिनेटर बीके वेन्डी पोप को बुक भेंट करते हुए।

शिव आमंत्रण, रोम। वेटिकन में दुनिया भर के धार्मिक प्रतिनिधियों के लिए इंटरफेथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सभी धर्मों के दो सौ से ज्यादा प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसमें ब्रह्माकुमारीज संस्थान के सदस्य भी उपस्थित हुए। इटली ब्रह्माकुमारीज संस्थान की कोआर्डिनेटर बीके वेन्डी पोप से मुलाकात करते हुए दृष्टि दी तथा कहा कि यदि सभी धर्मों के लिए एक साथ आये और अपने गुणों तथा विशेषताआं को बढ़ायें। इसपर पोप मुस्कुराये। इसके साथ दादी जानकी द्वारा लिखी गयी बुक इनसाईड आउट स्पेनिस भाषा में भेंट की। इसके साथ बीके वेन्डी ने कई और विशिष्ट लोगों से मुलाकात की।

नए साल का उल्लास से किया स्वागत

नये साल के स्वागत मे नृत्य करते बीके सदस्य।

शिव आमंत्रण, बैंकॉक। थाईलैण्ड की राजधानी बैंकॉक में ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोगा फाउण्डेशन द्वारा नववर्ष के उपलक्ष्य में स्टार फैमली विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। पथुम थानी के लेकसाइड विला में आयोजित इस कार्यक्रम में डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक रिलेशनस के पूर्व महानिदेशक अपिनुन चंतरारंसी, थाईलैण्ड की नेशनल कॉर्डिनेटर बीके ला तथा संस्थान के वरिष्ठ सदस्य मुख्य रुप से उपस्थित थे। नए साल का आगाज़ होते ही रौनक पूरे विश्व में फैल जाती है, बात यही समाप्त नहीं होती.. पुरानी ज़िन्दगियों के साथ-साथ.. लोग अपने सम्पूर्ण जीवन में बदलाव करने की उम्मीद के साथ नए साल की शुरुआत करते है..और इन्हीं कुछ उद्देश्यों के साथ थाईलैण्ड में संस्थान से जुड़े लोगों ने भौतिक नहीं बल्कि आध्यात्मिक रीति से नए साल का शुभारम्भ किया, जिसमें आने वाली नई सतयुगी दुनिया की झलकियां भी देखने को मिली। कार्यक्रम में आये अपिनुन चंतरारंसी ने बताया कि वे देखना चाहते थे कि थाईलैण्ड में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा किस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते है, और इस दौरान, उन्हें ये देखकर अत्यंत हर्ष हुआ कि इतने कम लोगों का समूह भी आपस में मिलजुल कर ऐसे कार्यक्रम कर रहा है और सबसे ज़्यादा प्रभावशाली इनका मन और मस्तिष्क है, जिससे थाईलैण्ड की धरनी पर भी सकारात्मकता का वायुमंडल बनेगा। पूरे परिसर को सजाना, सभी का एक साथ मिलना, एक दूसरे को शुभकामनाओं की सौगात देना और दुनिया के तौर तरीको से हटकर एकजुटता का संदेश देते हुए कई आलौकिक खेल खेलना। ये अवसर ही कुछ खास और अहम था जिसमें विदेश में होते हुए भी सभी ने परमात्मा की याद द्वारा हर क्षण का आनंद लिया। इस दौरान बीके नीलू ने गीतों की प्रस्तुति से सभी को झुमने पर मजबूर कर दिया। इस पूरे कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद थे।

राजयोग सीखने का आह्वान

सेर्रा सेरेना के सार्वजनिक कार्यक्रम मे बोलती बीके एलिजाबेथ।

शिव आमंत्रण, साओ पावलो। यूएए, सेन फ्रांसिस्को की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके एलिजाबेथ ने ब्राजील के साओ पावलो, पोर्टो सेगुरो समेत कई स्थानों का भ्रमण किया। इस दौरान कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ब्राजील के पोर्टो सेगुरो में सांग्स माई सोल पर म्यूजिक परफार्मेन्स, बेल होरिजोन्टो में म्यूजिक एवं आध्यात्मिकता, पोर्टल डे पॉज रिट्रिट सेन्टर में हीलिंग रिलेशनशीप पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बीके एलिजाबेथ ने मेडिटेशन एवं स्प्रीचुआलिटी पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र पोर्ट एलेग्रे की 33वीं सालगिरह पर पब्लिक कार्यक्रम आयोजित किया तथा साओ पावलो, सारा सेरेन रिट्रीट सेन्टर पर भी आयोजित कार्यक्रम में एलिजाबेथ मेडिटेशन से व्यक्तित्व विकास के लिए प्रेरित किया।

सूचना

सामाजिक सेवाओं तथा आन्तरिक सशक्तिकरण के प्रयास के साथ निकाला गया मासिक शिव आमंत्रण समाचार पत्र एक सम्पूर्ण अखबार है। जिससे आप सभी पाठकों का लगातार सहयोग मिल रहा है। यही हमारी ताकत है।

वार्षिक मूल्य	:	90 रूपये
तीन वर्ष	:	260 रूपये
आजीवन	:	2200 रूपये

पत्र व्यवहार का पता

संपादक: ब्र.कु. कोमल, ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया एवं पब्लिक रिलेशन ऑफिस, शांतिवन-307510
आबू रोड- 307510, जिला-सिरोही, राजस्थान
मो.8769830661, 9413384884
Email: shivamantran@bkivv.org, bkkomal@gmail.com